लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शनिवार, 27 सितम्बर, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 78
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

जिन्दंगी को समझना बहुत मुशकिल हैं, कोई सपनों की खातिर "अपनों" से दूर रहता हैं और कोई "अपनों" के खातिर सपनों से दूर

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi | NIGHT 27° Low

संक्षेप

रेखा सरकार का ऐतिहासिक निर्णय, ग्रामीण विकास बोर्ड की पहली बैठक में गांवों के लिए 1000 करोड़ से अधिक की योजनाएं मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने राजधानी के गांवों के विकास को लेकर आज ऐतिहासिक निर्णय लिया है। गांवों के विकास को लेकर बने दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड की पहली बैठक में ही राजधानी के गांवों में विकास व अन्य कार्यों को लेकर एक हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की 431 नई योजनाओं को मंजूरी दी गई। बोर्ड की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा है कि गांव केवल परंपरा और संस्कृति के प्रतीक नहीं, बल्कि राजधानी की जीवनरेखा भी हैं। सरकार का लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है, साथ ही वहां विकास कार्यों में तेजी लाना है। उनकी सरकार चाहती है कि शहरी और ग्रामीण दिल्ली का संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री का यह भी कहना है कि दिल्ली के गांवों के विकास के लिए बजट की कमी नहीं होगी। दिल्ली सचिवालय में आयोजित बोर्ड की आज की पहली बैठक में मुख्यमंत्री के अलावा दिल्ली सरकार के विकास मंत्री श्री कपिल मिश्रा, बोर्ड के चेयरमैन श्री राजकुमार चौहान, उपाध्यक्ष श्री गजेंद्र सिंह दराल, सदस्य श्री राज करण खत्री, श्री अहीर दीपक चौधरी, सुश्री नीलम पहलवान, श्री कुलदीप सोलंकी, श्री रविंदर सिंह नेगी (सभी विधायक) के अलावा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री का कहना है कि यह दिल्ली सरकार का यह ऐतिहासिक निर्णय है, क्योंकि पहली बार की बोर्ड की बैठक में एक हजार करोड़ से अधिक की धनराशि मंजूर कर ली गई।

ये सिर्फ विमान नहीं, भारत के शौर्य का इतिहास है: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायु सेना (IAF) ने शुक्रवार को अपने प्रसिद्ध मिग-21 लड़ाकू विमान को लगभग साठ साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त कर दिया। चंडीगढ़ में आयोजित एक भव्य सेवामुक्ति समारोह के दौरान इसकी अंतिम उड़ान भरी गई, जिससे भारतीय सैन्य विमानन में एक युग का अंत हो गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस समारोह में भाग लिया और विमान की बेजोड़ विरासत को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ₹लंबे समय से, मिग-21 अनेक वीरतापूर्ण कार्यों का साक्षी रहा है। इसका योगदान किसी एक घटना या एक युद्ध तक सीमित नहीं रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि लड़ाकू जेट ने 1971 के युद्ध, कारगिल युद्ध, बालाकोट हवाई हमले और यहां तक कि ऑपरेशन सिंदूर में भी निर्णायक भूमिका निभाई थी। सिंह ने कहा कि ऐसा कोई क्षण नहीं रहा जब मिग-21 ने हमारे सशस्त्र बलों को जबरदस्त ताकत न दी हो। उन्होंने कहा कि लंबे समय से, मिग-21 अनगिनत वीरतापूर्ण कारनामों का साक्षी रहा है। इसका योगदान किसी एक घटना या किसी एक युद्ध तक सीमित नहीं रहा है। 1971 के युद्ध से लेकर कारगिल संघर्ष तक, या बालाकोट हवाई हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक, ऐसा कोई क्षण नहीं रहा जब मिग-21 ने हमारी सशस्त्र सेनाओं को अभूतपूर्व शक्ति प्रदान न की हो।

बिहार में महिलाओं के खाते में आए 10 हजार रुपए, पीएम मोदी बोले - 'नरेंद्र और नीतीश आपके दो भाई'

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार चुनाव से ठीक पहले शुक्रवार (26 सितंबर) को राष्ट्रीय जनता दल पर निशाना साधते हुए कहा कि जब लालटेन का राज था तब बिहार में बहुत भ्रष्टाचार था। उन्होंने इस दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत बिहार की 75 लाख महिलाओं को बड़ी सौगात दी। बिहार की इन महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपए भेजे गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "नवरात्रि के इन पावन दिनों में आज मुझे बिहार की नारी शक्ति के साथ उनकी खुशियों में शामिल होने का अवसर मिला। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर आप सबका आशीर्वाद, हम सबके लिए एक बहुत बड़ी शक्ति है। मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।"

प्रधानमंत्री मोदी ने आरजेडी पर साधा निशाना

पीएम ने आरजेडी पर निशाना साधते हुए कहा, "आरजेडी के राज में कोई भी घर में सुरक्षित नहीं था। सबसे ज्यादा मार महिलाओं ने झेली है। महिलाओं ने आरजेडी नेताओं के अत्याचार को भी देखा है, लेकिन नीतीश राज में बेटियां बेखौफ घूमती हैं। हम महिलाओं को बचाने के लिए उज्ज्वला योजना लेकर आए हैं।" उन्होंने कहा, "जब कोई सरकार महिलाओं को केंद्र में रखकर कोई नीति बनाती है, तो उसका फायदा समाज के दूसरे हिस्सों पर भी पड़ता है। उदाहरण के लिए, उज्ज्वला योजना से कितना बड़ा बदलाव आया है, ये आज पूरी दुनिया देख रही है। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान। इस अभियान के सवा चार लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविर गांव-गांव और कस्बों में लगाए जा रहे हैं। खून की कमी, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की जांच की जा रही है।"

बहन-बेटियों के सपनों में लगेंगे पंख - पीएम मोदी

पीएम ने कहा, "आज से 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार' योजना शुरू की जा रही है। इस योजना से अब तक 75 लाख बहनें जुड़ चुकी हैं। अभी एक साथ इन सभी 75 लाख बहनों के बैंक अकाउंट में 10–10 हजार रुपये भेजे गए हैं। जब यह प्रक्रिया चल रही थी, तब मैं सोच रहा था कि आज नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार की बहनों-बेटियों के लिए कितना बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जब कोई बहन या बेटी रोजगार या स्वरोजगार करती है, तो उसके सपनों को नए पंख लग जाते हैं और समाज में उसका सम्मान और भी बढ़ जाता है।"

नवरात्रि के पांचवें दिन पीएम मोदी ने की मां स्कंदमाता की उपासना, भक्तों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवरात्रि के पांचवें दिन माता स्कंदमाता की विशेष उपासना का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने माता स्कंदमाता से सभी भक्तों के लिए सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्रार्थना की।

पीएम मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, नवरात्रि में आज माता के पांचवें स्वरूप देवी स्कंदमाता की विशेष उपासना होती है। उनसे करबद्ध प्रार्थना है कि वे अपने सभी भक्तों को सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आशीर्वाद दें। उनके ममतामयी स्नेह से हर किसी के जीवन में नई ऊर्जा और उमंग का संचार हो।

बंगाल में बदलाव का शंखनाद! अमित शाह बोले- नई सरकार ही लाएगी 'सोनार बांग्ला' का गौरव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता के संतोष मित्रा स्क्वायर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया, जहाँ इस वर्ष सैन्य थीम पर आधारित 'ऑपरेशन सिंदूर' की झलक दिखाई गई है। इसके बाद उन्होंने राज्य के राजनीतिक भविष्य के लिए प्रार्थना की कि मैंने माँ से प्रार्थना की है कि चुनावों के बाद, इस बंगाल में ऐसी सरकार आए जो सोनार बांग्ला (स्वर्णिम बंगाल) का निर्माण कर सके। हम यहाँ कविगुरु (रवींद्रनाथ टैगोर) की कल्पना का बंगाल बना सकें। अमित शाह ने राज्य के विकास को एक राष्ट्रीय दृष्टिकोण से जोड़ते हुए आशा व्यक्त की कि यह पूजा ₹हमें शुभता की ओर ले जाएगी, और हमारे नेता नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत का सपना बंगाल के विकास के माध्यम से साकार होगा।₹ उन्होंने कहा कि माँ दुर्गा के आशीर्वाद से बंगाल में 'सोनार बांग्ला' का निर्माण करने वाली सरकार बनेगी और बंगाल पुनः सुरक्षित, शांत, समृद्ध और सुजलाम-सुफलाम होगा।

गृह मंत्री ने राज्य में हाल में हुई वर्षाजनित घटनाओं में हुई मौतों पर भी शोक व्यक्त किया। शाह ने कहा, ''उत्सव की शुरुआत में, हमने एक बहुत ही दुखद क्षण का अनुभव किया। दस से अधिक लोगों की जान चली गई। मैं मारे गये सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं।'' गत 23 सितंबर को कोलकाता और आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश के बाद कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी। शाह ने बंगाल के दुर्गा पूजा उत्सव को एक सांस्कृतिक धरोहर बताया, जिसकी प्रशंसा पूरे विश्व में की जाती है। उन्होंने कहा, ''यह नौ दिवसीय नवरात्र उत्सव न केवल बंगाल और भारत में, बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो गया है।

शिव की नगरी काशी में नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता का विशेष पूजन, मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। शारदीय नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा का विधान है। शिव की नगरी वाराणसी में स्कंदमाता का मंदिर जैतपुरा क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध मां बागेश्वरी देवी मंदिर परिसर में है। मान्यता है कि यहां स्कंदमाता और बागेश्वरी माता के दर्शन से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। स्कंदमाता, जो भगवान कार्तिकेय की माता के रूप में पूजी जाती हैं। यहां भक्त एक साथ मां के गौरी स्वरूप (बागेश्वरी) और दुर्गा स्वरूप (स्कंदमाता) के दर्शन करने आते हैं। स्कंदमाता ज्ञान और विवेक की देवी हैं। उनके दर्शन से विशेषकर पढ़ाई में कमजोर बच्चों को बुद्धि, यश और सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही, संतान सुख से वंचित लोगों के लिए भी मां के दर्शन शुभ माने जाते हैं। स्थानीय भक्त सुधा, जो 26 वर्षों से इस मंदिर में आ रही हैं, उन्होंने बताया, पंचमी के दिन स्कंदमाता की पूजा का विशेष महत्व है। मैंने देखा है कि कई महिलाएं अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां पर आती हैं और उनकी इच्छाएं पूरी होती हैं। नवरात्रि में यहां सुबह 11 बजे के बाद भक्तों की भीड़ बढ़ जाएगी। मंदिर के महंत गोपाल मिश्र ने बताया, इस मंदिर का नाम स्कंदमाता मंदिर और मां बागेश्वरी देवी मंदिर है। आज नवरात्रि का पांचवां दिन है। यहां पर स्कंदमाता अपने पुत्र बाल कार्तिकेय को गोद में लेकर विराजमान हैं। उनके साथ मां बागेश्वरी के भी दर्शन किए जाते हैं। यह मंदिर कई साल पुराना है। मां बागेश्वरी का पट वर्ष में केवल एक बार, नवरात्रि के पांचवें दिन खुलता है। मां बागेश्वरी को मां सरस्वती का स्वरूप भी माना जाता है। महंत ने आगे बताया कि मां बागेश्वरी और स्कंदमाता के दर्शन का विशेष महत्व है। जो लोग संतान सुख, बोलने, चलने या पढ़ने-लिखने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं, उनके लिए यह दर्शन अत्यंत शुभ है। एक अन्य भक्त शशि ने कहा, मां बागेश्वरी के दर्शन युगों-युगों से होते आ रहे हैं। मैं नवरात्रि के नौ दिन व्रत रखती हूं, लेकिन पंचमी के दिन मां के दर्शन के लिए यहां आना अनिवार्य है। यह मंदिर ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।

RJD में कलह से सियासी भूचाल? रोहिणी की नाराजगी को लेकर तेजस्वी ने तोड़ी चुप्पी, BJP पर गरजे

पटना, एजेंसी। लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य और रणनीतिकार संजय यादव के बीच बढ़ती दरार के बीच, राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने शुक्रवार को अपनी बहन का बचाव करते हुए अपना पहला सार्वजनिक बयान जारी किया और व्यक्तिगत मामलों को राजनीति में घसीटने के लिए भाजपा पर हमला किया। तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है, लेकिन हम इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाते। हमारा ध्यान सिर्फ़ बिहार के विकास पर है... रोहिणी दीदी मेरी बड़ी बहन हैं। उन्होंने मुझे पाला है। उनका त्याग आज के ज़माने में कम ही देखने को मिलता है। उन्होंने मेरे पिता को अपनी किडनी दान कर दी थी।

बेइज्जती करनी थी, कर दी शादी के बाद बंदूक की नोक पर अपनी ही बेटी को उठा ले गए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ में एक युवक के साथ धोखेबाजी और फिर उसकी पत्नी के अपहरण का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक परिवार ने पहले अपनी बेटी का रिश्ता तय किया, शादी के कार्ड छपवाए, लेकिन तिलक के दिन फोन पर यह कहकर रिश्ता तोड़ दिया कि 'तुम्हारी बेइज्जती करनी थी, कर दी।' इसके बाद जब प्रेमी जोड़े ने भागकर शादी कर ली, तो लड़की के घरवाले बंदूक की नोक पर उसे उठा ले गए। पीड़ति पति तीन महीने तक पुलिस के चक्कर काटता रहा, जिसके बाद अब कोर्ट के आदेश पर अपहरण का मुकदमा दर्ज हुआ है।

यह पूरी कहानी लखनऊ के रहने वाले ऋषिकेश पांडे और बाराबंकी की मुस्कान तिवारी की है। जानकारी के मुताबिक, दोनों प्रेम विवाह कर रहे थे, जिसमें दोनों के परिवार भी सहमत थे। पिछले साल 25 नवंबर को तिलक और 9 दिसंबर को शादी की तारीख पक्की हुई थी। सारे मेहमानों को न्योते भी बांटे जा चुके थे। पीड़ति ऋषिकेश ने बताया कि जब तिलक की रस्म की तैयारियां चल रही थीं, तभी मुस्कान के जीजा सूरज तिवारी का फोन आया। उसने कहा, यह शादी नहीं होगी, कार्ड तो तुम्हें बेवकूफ बनाने और बेइज्जत करने के लिए छपवाए थे। अगले दिन जब ऋषिकेश, मुस्कान के घर पहुंचा तो उसने देखा कि उसके पिता अशोक तिवारी, मां सरिता और जीजा सूरज उसे एक कमरे में बंद करके पीट रहे थे। 29 दिसंबर को मुस्कान किसी तरह घर से भागकर ऋषिकेश के पास पहुंची और बताया कि उसे कई दिनों से कैद कर पीटा जा रहा था और उसकी जान को खतरा है। इसके बाद, 30 दिसंबर को दोनों ने आर्य समाज मंदिर में शादी की और उसी दिन विवाह का रजिस्ट्रेशन भी करा लिया।

सोनम वांगचुक के खिलाफ कार्रवाई, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एसईसीएमओएल के एफसीआरए लाइसेंस को किया रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख में हुए विरोध प्रदर्शन के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को एक आदेश जारी कर स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) के एफसीआरए लाइसेंस को रद्द कर दिया। सोनम वांगचुक से यह संस्था जुड़ी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश में कहा गया है कि एसईसीएमओएल (जिसे आगे 'एसोसिएशन' कहा गया है) को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 (एफसीआरए) के तहत पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या 152710012आर जारी कर पंजीकरण दिया गया था, ताकि सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए विदेशी अंशदान (जिसे आगे 'एफसी' कहा गया है) प्राप्त किया जा सके।

रतन दुबे हत्याकांड : एनआईए ने सीपीआई-एम के दो ऑपरेटिव्स के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2023 के रतन दुबे हत्याकांड में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) आतंकी संगठन के दो ऑपरेटिव्स के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। एनआईए ने शुक्रवार को एक प्रेस रिलीज के माध्यम से इसकी जानकारी दी। एनआई के मुताबिक, शिवानंद नाग और उनके पिता नारायण प्रसाद नाग पर छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एनआईए स्पेशल कोर्ट में दाखिल दूसरे पूरक आरोप-पत्र में आईपीसी एक्ट और यूए(पी) एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच में पाया गया कि दोनों रतन दुबे की बेरहमी से हत्या की आपराधिक साजिश में सक्रिय रूप से शामिल थे। एनआईए की जांच के अनुसार, नाग परिवार सीपीआई (माओवादी) का सक्रिय सदस्य था और उनका रतन दुबे से राजनीतिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत दुश्मनी का इतिहास रहा है। स्थानीय भाजपा नेता रतन दुबे की नवंबर 2023 में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के झराघाटी क्षेत्र के कौशलनार गांव में एक भीड़भाड़ वाले साप्ताहिक बाजार में चुनाव प्रचार के दौरान कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई थी। यह टारगेट किलिंग चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने और स्थानीय लोगों में आतंक फैलाने के उद्देश्य से की गई थी। जांच के दौरान एनआईए ने सीपीआई (माओवादी) के पूर्व बस्तर डिवीजन के बयानार एरिया कमिटी और बारसूर एरिया कमेटी के सदस्यों तथा उनके ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) की भूमिका और संलिप्तता का पता लगाया।

बुजुर्ग पिता के हक में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, बेटे को संपत्ति खाली कर वापस लौटाने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने एक 80 वर्षीय पिता को बड़ी राहत देते हुए उनके बेटे को मुंबई स्थित दो संपत्तियों को खाली करने का आदेश दिया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत ट्रिब्यूनल को यह अधिकार है कि वह बुजुर्गों की संपत्ति से उनके बच्चों या रिश्तेदारों को बेदखल करने का आदेश दे सके, अगर वे अपने भरण-पोषण के दायित्व का उल्लंघन करते हैं।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के अप्रैल के फैसले को पलट दिया। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में ट्रिब्यूनल के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें बेटे को पिता की संपत्तियां लौटाने का निर्देश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने 2007 के अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून का उद्देश्य वृद्ध व्यक्तियों की कठिनाइयों को दूर करना और उनकी देखभाल व सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पीठ ने टिप्पणी की, एक कल्याणकारी कानून होने के नाते, इसके लाभकारी उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए इसके प्रावधानों की उदारतापूर्वक व्याख्या की जानी चाहिए। न्यायालय ने जोर देकर कहा कि यदि कोई बच्चा या रिश्तेदार वरिष्ठ नागरिक के भरण-पोषण के अपने दायित्व का उल्लंघन करता है, तो ट्रिब्यूनल को उन्हें संपत्ति से बेदखल करने का आदेश देने का पूरा अधिकार है। याचिकाकर्ता 80 वर्षीय व्यक्ति हैं और उनकी पत्नी 78 वर्ष की हैं। उन्होंने मुंबई में दो संपत्तियां खरीदी थीं। बाद में वह अपनी पत्नी के साथ उत्तर प्रदेश चले गए और संपत्तियों को अपने बच्चों के पास छोड़ दिया। उनके बड़े बेटे ने दोनों संपत्तियों पर कब्जा कर लिया और अपने माता-पिता को वहां रहने की अनुमति नहीं दी। आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद बेटे ने पिता को उन्हीं की संपत्ति से बेदखल कर अपने वैधानिक दायित्वों का उल्लंघन किया। इसके बाद, बुजुर्ग दंपति ने जुलाई 2023 में भरण-पोषण और संपत्ति वापस पाने के लिए ट्रिब्यूनल में अर्जी दायर की। ट्रिब्यूनल ने बेटे को दोनों संपत्तियां पिता को सौंपने और 3,000 रुपये मासिक भरण-पोषण देने का निर्देश दिया। इस फैसले को अपीलीय ट्रिब्यूनल ने भी बरकरार रखा। हालांकि, जब बेटा हाई कोर्ट पहुंचा, तो अदालत ने उसकी याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि ट्रिब्यूनल को संपत्ति खाली कराने का आदेश देने का अधिकार नहीं है।

शौर्य के 6 दशक बाद 'आसमान का बाज़' मिग-21 रिटायर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना का पहला सुपरसोनिक लड़ाकू विमान मिग-21, छह दशकों तक देश के आसमान की रक्षा करने के बाद आज यानी शुक्रवार, 26 सितंबर को सेवा से रिटायर हो जाएगा। इस ऐतिहासिक विमान को विदाई देने के लिए चंडीगढ़ में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया है, जहां वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह खुद मिग-21 के 'बादल' फॉर्मेशन को उड़ाकर इस गौरवशाली अध्याय का समापन करेंगे।

1963 में भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल हुआ रूस निर्मित मिग-21 अपनी ध्वनि से तेज रफ्तार (मैक 2) और अचूक मारक क्षमता के लिए जाना जाता था। इसने कई युद्धों में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और 2019 में पाकिस्तान के अत्याधुनिक स्न-16 विमान को मार गिराकर अपनी श्रेष्ठता साबित की थी। इसके रिटायरमेंट से वायुसेना की स्क्वाड्रन संख्या में अस्थायी रूप से कमी आएगी, लेकिन इसकी जगह लेने के लिए भारत का स्वदेशी 'तेजस' पूरी तरह तैयार है।

वायुसेना मिग-21 की जगह धीरे-धीरे स्वदेशी तेजस विमानों को शामिल कर रही है। 'फ्लाइंग डैगर्स' और 'फ्लाइंग बुलेट्स' स्क्वाड्रन के बाद अब जल्द ही तेजस का तीसरा स्क्वाड्रन 'कोबरा' भी वायुसेना में शामिल होगा। इस स्क्वाड्रन को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राजस्थान के एक एयरबेस पर तैनात किया जाएगा, जिससे पश्चिमी मोर्चे पर वायुसेना की ऑपरेशनल तैयारी और मजबूत होगी।

एक लापरवाही से पल भर में उजड़े चार परिवार, घायल ने बताया आंखों देखा हाल... सुनकर खड़े हो गए रोंगटे

आर्यावर्त संवाददाता

इटावा। मायके में बैठी रामायण पाठ में शामिल होने जा रही मध्यप्रदेश के भिंड निवासी बिट्टनश्री एवं पड़ोस के गांव में मां के ननिहाल पक्ष से रिश्ते में ममेरी बहुओं अनीता व आशा देवी के परिवार के लिए पछायगांव के कोरी का कुआ के पास बाह रोड पर पुलिस की अनदेखी से सड़क पर खड़ा डंपर काल साबित हुआ।

देवरानी जेठानी और बुआ सास समेत साथ गांव के एक अन्य व्यक्ति की मौत की खबर से चारों परिवारों में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते स्वजन दौड़ते हुए जिला अस्पताल पहुंच गए। जहां रो-रोकर स्वजन का बुरा हाल हो गया। स्वजन ने हादसे के पीछे जिम्मेदार ऑटो चालक, डंपर चालक समेत एआरटीओ, पुलिस और यातायात पुलिस को भी जिम्मेदार ठहराया है।

यह हुआ था हादसा

जिला अस्पताल में रोते-बिलखते मध्य प्रदेश के भिंड जनपद के थाना बरोही की चक्रपुरा निवासी मृतका बिटनश्री देवी पत्नी केशव सिंह के पुत्र धर्मेन्द्र ने बताया कि उसका ननिहाल में आगरा के थाना जैतपुर के अरुपुरा गांव में हैं। जहां गुरुवार को मामा मेघ सिंह के नाती का जन्मदिन को लेकर मामा ने रामायण बैठाई थी। जिसका निमंत्रण उनके परिवार के साथ पड़ोस के गांव रैपुरा स्थित नानी के ननिहाल में आया था।

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनकी मां बिट्टनश्री समेत नानी के ननिहाल पक्ष से रिश्ते में ममेरी भाभी रैपरा बरोही भिंड की रहने वाली अनीता देवी पत्नी भारत सिंह एवं उनकी तीन देवरानी देवरानी आशा देवी, सरस्वती देवी एवं सरोज के साथ चौथे देवर उमेश का 18 वर्षीय पुत्र छोटे के अलावा उनके गांव के नर सिंह भी साथ गए थे। सभी लोग गुरुवार सुबह ग्वालियर पैसेंजर ट्रेन से हंसी खुशी निकले थे। उदी स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद ऑटो से जैतपुरा जाते समय डंपर से टक्कर होने से यह हादसा हो गया, जिसमें मां बिट्टन श्री देवी, ममेरी भाभी अनीता देवी की मौके पर मौत हो गई, जबकि आशा देवी एवं नर सिंह ने आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई में जाकर कुछ देर बाद दम तोड़ दिया।

पल भर में उजड़े चार परिवार

बिट्टन श्री के बेटे धर्मेन्द्र ने रोते-बिलखते हुए बताया कि वह दो भाई हैं, वह भिंड में एक स्कूल बस चलाता है जबकि छोटा भाई और पिता अहमदाबाद में कपड़े का काम करते हैं।

अनीता की मौत से दो बेटों के सिर से उठा मां का साया

हादसे का शिकार अनीता राजपूत के दो बेटे हैं, उनके पति भारत सिंह बीमारी से कई वर्ष पहले बीमारी से मौत हो गई थी। तब से उनके दो बेटे अनिल और जीतू परिवार का भरण पोषण चला रहे थे। जीतू औसंगाबाद हैदराबाद में गाड़ी चलाता है, जबकि उनका छोटा बेटा अलवर राजस्थान अनिल पीओपी पुट्टी का काम करता है। इस हादसे ने दोनों बेटों से पिता के बाद मां का साया भी छीन लिया। जबकि देवरानी आशा के पति हैं किसान है उनका भी एक बेटा सूरज सिंह है। हादसे में देवरानी जेठानी की मौत से पूरे परिवार में मातम पसर गया।

नरसिंह के नहीं है कोई औलाद

पछायगांव में हादसे का शिकार होने वाले मध्यप्रदेश के भिंड रैपुरा निवासी नरसिंह पुत्र महाराज राजपूत (40) शादीशुदा था लेकिन उनके एक भी बच्चे नहीं है।हादसे की जानकारी के बाद उनकी पत्नी सुमन देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

चालक को आ रही थी झपकी फिर भी एक न सुनी

हादसे में घायल हुए रतनूपूरा थाना अटेर जिला भिंड मध्य प्रदेश निवासी बाबा सुग्रीव पुत्र फूल सहाय 40 ने जिला अस्पताल पहुंचने पर हादसे का आंखों देखा हाल बताया। उदी स्टेशन पर ग्वालियर पैसेंजर से उतने के बाद कोई ऑटो नहीं मिला था। जिस ऑटो में वह सवार हुए थे, उनके अलावा एक परिवार की 5 महिलाओं समेत 7 सात लोग भी बैठे हुए थे। उसे 16 या 17 साल का लड़का चला रहा था।

महिलाओं के पीछे बैठने के कारण वह चालक के बगल में मजबूरी में बैठ गए थे। उन्होंने बताया कि स्टेशन से कुछ किलोमीटर निकले के बाद ऑटो चालक को रास्ते में झपकी आने पर उन्होंने उसे टोका कि रोककर मुंह पानी से धो लो लेकिन वह नहीं माना।

इसी बीच 5 से 6 किलोमीटर दूर निकलने के बाद ही रास्ते में खड़े ऑटो से उनका ऑटो जा भिड़ा, लेकिन वे बच गए थे। जिस समय हादसा हुआ ऑटो करीब 50 की स्पीड में रहा होगा। 20 फीट करीब आने के बाद डंपर उन्हें दिखा जब तब वह उससे टकरा गया। चालक हादसे से पहले कूदकर भाग गया।

घायल सुग्रीव ने बताया कि वह पूरातेज सिंह केजरा रोड बाह आगरा स्थित अपने सदगुरू कबीर विज्ञान भरत आश्रम जा रहे थे, वह 2021 से घर परिवार त्याग कर वहीं रह रहे हैं।

राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका, अमेरिका में भारत के सिखों पर की गई टिप्पणी मामले में याचिका रद्द

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। रायबरेली के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। स्पेशल कोर्ट वाराणसी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। राहुल गांधी पर मुकदमा दर्ज होगा या नहीं अब स्पेशल कोर्ट इस मामले की सुनवाई के लिए कार्रवाई को आगे बढ़ा सकेगी। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की अदालत ने दिया है।

यह मामला सितंबर 2024 का है। राहुल गांधी ने अमेरिका में एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर कहा था कि भारत में सिखों के लिए माहौल अच्छा नहीं है, क्या सिख पगड़ी पहन सकते हैं, कड़ा रख सकते हैं और गुरुद्वारे जा सकते हैं? उनके इस बयान को भड़काऊ और समाज में विभाजनकारी बताते हुए विरोध हुआ था।

वाराणसी निवासी नागेश्वर मिश्रा ने इस बयान के खिलाफ सारनाथ थाने में एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन सफलता न मिलने पर उन्होंने अदालत का रुख किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट (द्वितीय) ने 28 नवंबर 2024 को यह कहते हुए वाद खारिज कर दिया कि मामला अमेरिका में दिए गए भाषण से जुड़ा है और यह उनके क्षेत्राधिकार से बाहर है। इसके बाद नागेश्वर मिश्रा ने सत्र न्यायालय में निगरानी याचिका दाखिल की जिसे 21 जुलाई 2025 को विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए) की अदालत ने स्वीकार कर लिया। अब इस फैसले के खिलाफ राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है। दलील दी गई है कि वाराणसी अदालत का आदेश गलत, अवैध और अधिकार क्षेत्र से बाहर है। लिहाजा जब तक यह मामला हाईकोर्ट में लंबित है तब वाराणसी अदालत के आदेश पर रोक लगाई जाए।

गबन के आरोपी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

सुलतानपुर। गबन के आरोप में जेल गए न्यायिक कर्मचारी फैज आलम की हाईकोर्ट से जमानत होने के बाद सीजेएम नवनीत सिंह की अदालत ने बृहस्पतिवार को जमानत धनराशि निर्धारित किया। अदालत ने आरोपी अहलमद के जमानतदारों के बेलबांड सत्यापन के लिए डीएम-एसपी को जिम्मेदारी सौंपी है। जिला न्यायालय के प्रभारी मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनिल श्रीवास्तव ने बीते नौ जुलाई को कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज कराया। आरोप के मुताबिक 17 मार्च को रीडर पद पर तैनात रहे फैज आलम ने पुस्तकालय अनुभाग से पांच अर्थदंड की रसीद बुक ली। आरोप के मुताबिक यह रसीद बुक अमेठी जिले स्थित सिविल जज (अवर खंड) मुसाफिरखाना न्यायालय के कार्य के लिए फैज आलम ने ली थी,जिनमे से एक रसीद बुक न्यायालय को प्राप्त ही नहीं कराई और न ही उस रसीद बुक का कार्यालय के जरिये कभी उपयोग ही किया गया। आरोप के मुताबिक संबंधित पीठासीन अधिकारी ने इस प्रकरण की सूचना जिला न्यायाधीश को दी।

अपनी विधायकी गई...पत्नी को बनाया विधायक, अब जेल से रिहा होंगे इरफान, सपाइयों ने कहा- न्याय की हुई जीत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान समेत तीन की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने स्वीकार कर ली है। इरफान और रिजवान ने 2 दिसंबर 2022 को पुलिस कमिश्नर के बंगले पर समर्पण किया था। इसके बाद दोनों को जेल भेज दिया गया था। तब से ही दोनों जेल में बंद हैं। दोनों के खिलाफ दर्जनभर से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। हालांकि सभी मुकदमों में जमानत मिल चुकी है।

अब गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में भी जमानत मिलने पर दो साल नौ माह बाद दोनों की जेल से रिहाई संभव हो सकेगी। जाजमऊ थाने में नजीर फातिमा का घर जलाए जाने की घटना के बाद इरफान व उनके भाई रिजवान समेत अन्य लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इसके बाद कई और मुकदमे भी दर्ज हुए। इन मुकदमों के आधार पर इरफान सोलंकी, रिजवान सोलंकी, मो. शरीफ, शौकत अली, इसराइल आटे वाला, मुर्सलीन खान उर्फ भोलू, मो. एजाज उर्फ अज्जन के खिलाफ जाजमऊ थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत भी रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

सातों आरोपियों के खिलाफ तय हो चुके हैं आरोप

इस मुकदमे में सातों के खिलाफ चार्जशीट भी कोर्ट भेज दी गई है। सातों अभियुक्तों में से इरफान सोलंकी महाराजगंज जेल और रिजवान व इसराइल आटे वाला कानपुर जेल में बंद हैं। इसके अलावा अन्य चारों हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा हो चुके हैं। मुकदमे में 17 सितंबर को एमपीएमएलए सेशन कोर्ट में गैंगस्टर के मुकदमे में सभी सातों आरोपियों के खिलाफ आरोप भी तय हो चुके हैं।

यह हैं आरोप

इरफान सोलंकी का अंतरजनपदीय स्तर का संगठित गिरोह है। यह अपराध करके आर्थिक व भौतिक लाभ कमाता है और गिरोह के सदस्य अवैध धन से ऐशोआराम की जिंदगी गुजारते हैं। मारपीट, आगजनी, धोखाधड़ी करके जमीन कब्जाना, रंगदारी वसूलना आदि गिरोह के काम हैं।

फर्जी डिग्री देने वालों पर कार्यवाही को लेकर धरना शुरू

सुलतानपुर। एक पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट पर फर्जी डिग्री और मार्कशीट देकर छात्रों से धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। छात्र प्रसंग सिंह ने शिकायत दर्ज कराई है कि इंस्टीट्यूट ने उनसे डेढ़ लाख रुपये ठगे हैं। वे अब आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं और इस संबंध में तिकोनिया पार्क में प्रदर्शन भी किया जा रहा है। बिरसिंहपुर, मोतिगरपुर निवासी प्रसंग सिंह ने बताया कि उन्होंने राम बरन स्नातकोत्तर महाविद्यालय विभारपुर, जयसिंहपुर स्थित एमएस पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट से श्री धर यूनिवर्सिटी, पिलानी, राजस्थान की मार्कशीट और प्रमाण पत्र प्राप्त किए थे। जब उन्होंने यूपी फार्मेसी काउंसिल, लखनऊ में पंजीकरण के लिए आवेदन किया, तो उन्हें पता चला कि उनके दस्तावेज फर्जी हैं। प्रसंग सिंह को तब यह जानकारी हुई कि एमएस पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट एक फर्जी संस्था है और वे धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। उन्होंने संस्था के प्रबंधक अजय कुमार सिंह, प्रशासक संजय सिंह, डायरेक्टर अमर सिंह और बड़े बाबू प्रज्जवल मिश्रा से संपर्क किया।

गोरखपुर में दर्दनाक हादसा : करंट लगने से चाचा-भतीजे की मौत, ग्रामीणों ने शव रख लगाया जाम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। सहजनवा के डुमरी निवास (तिवरान) गांव में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। करंट की चपेट में आने से चाचा और भतीजा की मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने शव को ठर्रापार के पास सड़क पर रखकर सहजनवा-घघसरा मार्ग जाम कर दिया। आक्रोश लोग विद्युत विभाग की लापरवाही से हादसा होने की बात कह दोषियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।पुलिस के अधिकारी समझाने में लगे हैं।

मृतकों की पहचान 32 वर्षीय चंद्रेश कुमार और उनके चाचा 60 वर्षीय राम बेलास के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि चंद्रेश ने घर के लिए बिजली कनेक्शन लिया था लेकिन पड़ोसी से विवाद के चलते पोल से कनेक्शन काट दिया गया।

कई बार शिकायत करने के बावजूद बिजली विभाग ने नहीं जोड़ा तो चंद्रेश ने करीब 400 मीटर दूर ट्रांसफार्मर से बांस और लोहे के पोल के सहारे केबल खींचकर अपने घर की बिजली चला रहे थे शुक्रवार सुबह तार ढीला होकर पोखरे के पास झूल रहा था।

मछली पालक के जानकारी देने पर चंद्रेश अपने चाचा राम बेलास के साथ तार कसने पहुंचे। इसी दौरान लोहे का पोल छूते ही दोनों करंट की चपेट में आ गए। गंभीर हालत में सीएचसी ठर्रापार ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई।

हादसे के बाद परिजन और ग्रामीण भड़क गए। शव सड़क पर रखकर जाम कर दिया और विद्युत विभाग के एसडीओ व जेई पर कार्रवाई की मांग करने लगे। चौकी प्रभारी दुर्गेश सिंह और नगर पंचायत अध्यक्ष प्रभाकर दुबे पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया।

राम बेलास की कोई संतान नहीं थी। वे पत्नी रीता देवी के साथ चंद्रेश के घर में ही रहते थे। वहीं चंद्रेश के परिवार में पत्नी कुसुम देवी, आठ साल का बेटा दिनेश और पांच साल की बेटी अनन्या है। दोनों की मौत के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है और ग्रामीणों में गहरी नाराजगी है।

तार जोड़ने की शिकायत को किया नजरअंदाज, गई दो जिंदगियां:

डुमरी निवास निवासी चंद्रेश का कनेक्शन पड़ोसी ने काट दिया था। उसने उपकेंद्र जाकर जेई से मिलकर कनेक्शन जोड़ने की गुहार लगाई थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। मजबूर होकर उसने ट्रांसफार्मर से 400 मीटर दूर से केबल खींचकर बिजली जोड़ी थी। ग्रामीणों का कहना है कि अगर उसी समय जिम्मेदार अधिकारी शिकायत पर कार्रवाई कर लेते तो आज चाचा-भतीजा की जान बच सकती थी।

पुलिस को चकमा देकर हत्यारोपी ने न्यायालय में किया सरेंडर

कुड़वार/सुल्तानपुर। बहन के प्रेम प्रसंग के चलते गांव निवासी युवक की गोली मारकर हत्या करने के मुख्य आरोपी ने पुलिस को चकमा देकर न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया। जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बता दे कि बीते 10 अगस्त को शौच के लिए निकले चेरी मिश्र का पुरवा भंडरा परशुरामपुर गांव निवासी नवनीत कोरी(20) पुत्र शिवलाल की गांव के बाहर खेत में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। क्योंकि हत्या के पूर्व आरोपी रजनीश कोरी की बहन को नवनीत भगा ले गया था। इसी रंजिश को लेकर आरोपी ने घटना को अंजाम दे डाला था। मामले में पुलिस ने मृतक के भाई आनंद की तहरीर पर बाप बेटे के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पूर्व हत्या की धमकी देने व साजिश करने के आरोप में पुलिस ने आरोपी के पिता शिवलाल को जेल भेज दिया था। जबकि मुख्य आरोपी रजनीश कोरी पुलिस की पकड़ से दूर रहा है।

चार्ज लेते ही एक्शन मोड में आई छात्रा, एक दिन का थानाध्यक्ष बनी तो दिया सख्त निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। मिशन शक्ति 5.0 के तहत जिले में अयाना, अजीतमल, सहार, फफूंद, कुदरकोट में छात्राओं ने एक दिन के लिए थाने की कमान संभाली और समस्याओं को सुनकर निस्तारण के निर्देश दिए। साथ ही यातायात की कमान संभाली।

मिशन शक्ति 5.0 के साथ तहत नगर की दो छात्राओं को एक दिन के लिए थानाध्यक्ष बनाया गया। गुरुवार की सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक एक्सिस पब्लिक स्कूल में कक्षा नौ की 14 वर्षीय छात्रा तनिष्का अग्रवाल पुत्री तरुण अग्रवाल निवासी मुहल्ला तिवारीयान कस्बा फफूंद ने शिकायत सुनी।

इस दौरान महेंद्र सिंह निवासी गांव केशमपुर ने बताया कि भैंस अचानक खूंटा से खुलकर गांव में बने तालाब में चली गई जिससे उसकी मृत्यु हो गई। भैंस का पोस्टमार्टम करवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया। उन्होंने प्रार्थना को पढ़ने के बाद संबंधित दरोगा को मौके पर जाकर जांच करने के बाद कार्यवाही का निर्देश दिया।

एक दिन की थानाध्यक्ष तनिष्का अग्रवाल ने शिकायत सुनने के बाद दोपहर एक बजे चार्ज छोड़ दिया। कहा कि वह भविष्य में आईपीएस बनना चाहती है। एक बजे के बाद कस्बा के मोहल्ला चमनगंज निवासी 20 वर्षीय अनु राठौर पुत्री राजवीर राठौर को थानाध्यक्ष बनाया गया। अनु राठौर नोएडा में आईएएस की तैयारी कर रही है। कोचिंग पूरी होने के वाद वह घर आई है और वैदिक डिग्री कॉलेज से एमए की पढ़ाई भी कर रही है। चार्ज लेते ही एक्शन मोड में दिखाई दी।

राम नारायण कुशवाह निवासी राम मंदिर के सामने कस्बा फफूंद ने बताया कि हमारा मोबाइल कल हमारा बाजार में गिर गया था, जो काफी तलाश करने के बाद नहीं मिला है। थानाध्यक्ष अनु राठौर ने गुमशुदगी दर्ज कराने के साथ ही सर्विलांस पर लगवाने के निर्देश दिए। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश पाल साथ में मौजूद रहे।

बेला थाना क्षेत्र में ग्राम कुर्सी शिविर लगाकर मिशन शक्ति के तहत हेल्पलाइन नंबर 1076, 1090, 181, 1098, 101, 102, 112 के बारे में जानकारी दी गई। महिला संबंधी योजनाओं एवं बच्चियों संबंधित योजनाओं आदि के बारे में व साइबर क्राइम 1930 के बारे में भी बताया। इसी तरह कुंवर हनुमान सिंह इंटर कॉलेज थाना बेला में भी थाना अध्यक्ष गंगादास गौतम ने जागरुक किया।

बरेली के सेल्समैन शराब की दुकानों में बेच रहे थे पंजाब की दारू, पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

सेल्समैन शराब की दुकानों के आसपास पंजाब की शराब बेच रहे थे। पुलिस ने तीन को पकड़ा है। दुकानें बंद नहीं हुई। वार्ता कर दुकानों को खुलवा दिया गया था।
-रवींद्र प्रताप सिंह, जिला आबकारी अधिकारी

पुलिस ने तीनों को पंजाब की शराब बेचते हुए रंगेहाथ पकड़ा है। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है। जो आरोप लगाए गए है वह निराधार हैं।
-कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। मझोला क्षेत्र के शाहपुर तिगरी बाइपास रोड, दिल्ली रोड समेत तीन तीन स्थानों से पुलिस ने पंजाब की अंग्रेजी शराब बेचते हुए तीन लोगों को पकड़ लिया। तीनों बरेली निवासी शराब कारोबारी के सेल्समैन हैं।

पुलिस ने तीनों के खिलाफ प्राथमिकी लिखी तो बरेली निवासी शराब कारोबारी ने मुरादाबाद के शराब कारोबारी पर फर्जी मुकदमा लिखवाने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को मुरादाबाद की 26 शराब की दुकानों को बंद करवा दीं। जानकारी पर अधिकारियों ने कारोबारी को बुलाया। जिला आबकारी अधिकारी ने उनसे वार्ता कर करीब एक घंटे बाद शराब की दुकानों को खुलवा दिया। जिला आबकारी अधिकारी ने डीएम को पूरा घटनाक्रम बताया।

शराब की दुकानें लाटरी सिस्टम से आवंटित की गई थी। मुरादाबाद में शराब की कुछ दुकानें बरेली निवासी एक शराब कारोबारी को भी मिली थी। इसको लेकर अप्रैल में कई बार हंगामा हुआ था, लेकिन उसके बाद से सब ठीक चल रहा था।

पुलिस ने किया गिरफ्तार

मझोला पुलिस ने गुरुवार सुबह दिल्ली रोड स्थित पुरानी देसी शराब की दुकान के पास से पंजाब में बिकने के लिए अधिकृत अंग्रेजी शराब की 17 बोतल के साथ सुभाषचंद्र रस्तोगी, शाहपुर तिगरी बाइपास रोड अंग्रेजी शराब की 21 बोतल के साथ प्रवीन निवासी सूरजनगर कटघर और दिल्ली रोड स्थित देसी शराब की दुकान के पास से अंग्रेजी शराब की 21 बोतल के साथ दिलीप निवासी बरेली को पकड़ लिया। इसकी जानकारी बरेली निवासी कारोबारी को हुई तो उन्होंने मुरादाबाद के कारोबारी पर फर्जी तरीके से प्राथमिकी लिखाने का आरोप लगाते हुए 26 शराब की दुकाने बंद करा दीं। आरोप लगाया कि शराब सिंडिकेट चलाने वाले मुरादाबाद का शराब कारोबारी इसी तरह लोगों को परेशान करता है। कारोबारी के सहयोगी जिला आबकारी अधिकारी रवींद्र प्रताप सिंह के पास पहुंच गए। वहां पर वार्ता हुई। इसके बाद करीब 11 बजे शराब की दुकानों को खुलवा दिया गया।

ड्रोन दिखने से फैली दहशत, पुलिस ने अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील

सुल्तानपुर। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बीते पंद्रह दिनों से लगातार ड्रोन दिखने की घटनाओं ने लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। गुरुवार रात शहर के चौक और आसपास के मोहल्लों में उड़ते ड्रोन को देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। व्यापारियों ने इस ड्रोन का वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किया। जानकारी के मुताबिक, कोतवाली नगर क्षेत्र के घने सर्राफा बाजार, रामलीला मैदान, मेजरगंज, चौक और घंटाघर के बीच लाल-हरी लाइटों के साथ ड्रोन उड़ते देखा गया। इससे क्षेत्र के व्यापारी और स्थानीय लोग पूरी तरह सहम गए। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम और 112 पर लगातार ऐसी सूचनाएं मिल रही हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे ऐसी अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही किसी तरह की दहशत में आएं।

बेसहारा, निर्धन, जरूरतमंदों को सामाजिक संस्था ने बाटा भोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के स्वयंसेवकों ने बेसहारा निर्धन जरूरतमंदों सेवा भाव निरंतर बना है गुरुवार की शाम अस्पताल रेलवे स्टेशन पर 453 लोगों को गरमा गरम भोजन उपलब्ध करा कर अपना लक्ष्य पूरा किया। गुरुवार को संघ के अध्यक्ष मेराज अहमद खान के संयोजन स्वयंसेवकों की सेवा कार्य मे सक्रिय भागीदारी रही। भोजन वितरण की शुरुआत करते हुए सीएमएस डॉक्टर आर के मिश्र ने कहा संस्था के लोगों की पहल मानव हित में है। डिप्टी सीएमओ डॉ लालजी , फिजिशियन डॉ अविनाश गुप्ता, ने स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जिला चिकित्सालय, व रेलवे-स्टेशन पर आर एन सिंह सेवानिवृत चीफ इंजीनियर सीपीडब्ल्यूडी ने यात्रियों जरूरतमंदों को गरमा गरम भोजन वितरण किया, कहा कि संस्था का यह सराहनीय कार्य है, लोग इस नेक कार्य से लोग प्रेरणा लेकर समाज में अंतिम पायदान के लोगों की मदद में आगे आएंगे संस्था संस्थापक निजाम खान ने बताया संस्था सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार को सेवा भाव का यह कार्य निरंतर जन सहयोग से चल रहा है रोटी चावल दाल सब्जी जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया गया जब तक सांस है सेवा भाव का यह कार्य जारी रहेगा।

योगी मंत्रिमंडल ने दी 22 प्रस्तावों को मंजूरी, दीपावली पर मिलेंगे मुफ्त गैस सिलेण्डर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोकभवन में हुई कैबिनेट की बैठक में 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में आगरा- लखनऊ एक्सप्रेस वे से गंगा एक्सप्रेस वे तक 'लिंक एक्सप्रेस वे' वाया फर्रुखाबाद 90 किमी का ग्रीनफील्ड लिंक एक्सप्रेस वे प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है।

कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि औद्योगिक विकास विभाग/ सेमी कंडक्टर के सम्बंध में प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि ठाकुर युवराज सिंह विवि,फतेहपुर को आशय पत्र निर्गत के लिये मंजूरी मिली जबकि गांधी विवि झांसी को आशय पत्र निर्गत के लिये मंजूरी, राधागोविन्द विवि,चंदौसी को संचालन अधिकार प्रस्ताव हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है।

खन्ना ने बताया कि उत्तरप्रदेश जिला खनिज फाऊंडेशन न्यास तृतीय संशोधन नियमावली 2025 को कैबिनेट को स्वीकृति मिली है। उन्होंने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान क्रय नीति निर्धारण को स्वीकृति प्रदान की गई है। एक अक्टूबर से 31 जनवरी 2026 तक पश्चिमी उत्तरप्रदेश में,15 अक्टूबर से 28 फरवरी 2026 तक पूर्वी उत्तरप्रदेश में धान क्रय किया जाएगा, इस वर्ष कॉमन धान का क्रय 2369/क्विंटल मूल्य निर्धारित,ग्रेड ए धान के लिए 2389/क्विंटल मूल्य निर्धारित,60 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा गया है।

खन्ना ने बताया कि मोटा अनाज खरीद पॉलिसी को मंजूरी, मक्का 2400/क्विंटल, बाजरा 2775/क्विंटल,ज्वार (हाइब्रिड) 3699/क्विंटल, ज्वार(मालडंडी) 3749/क्विंटल खरीद मूल्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही उज्ज्वला योजना अंतर्गत दीपावली पर निःशुल्क सिलेंडर दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है।

उन्होंने बताया कि सुप्रीमकोर्ट में दायर मृतक आश्रित सम्बंध में अपील 'प्रेमलता बनाम उत्तरप्रदेश सरकार' के आधार पर,मृतक आश्रित योजनांतर्गत जो व्यक्ति जिस कैडर अंतर्गत मृत होगा उसके आश्रित को उसी कैडर अंतर्गत नौकरी प्राप्त कर सकेगा, उदाहरण समूह ग के आश्रित को उसी श्रेणी में,समूह घ के आश्रित को उसी श्रेणी में नौकरी प्राप्त कर सकेगा।

इस सम्बंध में प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इसके अलावा मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण नए शहर प्रोत्साहन परियोजना अंतर्गत रामपुर, अयोध्या,लखनऊ,बागपत विकास प्राधिकरण को धनराशि प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई है।

खन्ना ने बताया कि वर्ष 2024 में विभिन्न कारणों से जिन बच्चों की छात्रवृत्ति रह गई थी (अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति, सामान्य,अन्य पिछड़ा वर्ग,अल्पसंख्यक वर्ग) उनके छात्रवृत्ति शुल्क प्रतिपूर्ति भुगतान हेतु पोर्टल खोलने व बजट व्यवस्था किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति मिल गई है। इस हेतु 647.38 करोड़ की व्यवस्था की गई है।रोजगार हेतु संतकबीर टेक्सटाइल्स एवं अपेरल पार्क योजना को स्वीकृति प्रदान की गई है।

मड़ियांव पुलिस ने मोबाइल चोरी के आरोपी को पकड़ा, नाबालिग भी संरक्षण में लिया गया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मड़ियांव थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मोबाइल चोरी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। दोनों के पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।जानकारी के अनुसार 25 सितंबर की रात थाना मड़ियांव की पुलिस टीम क्षेत्र की देखरेख, अपराध की रोकथाम और वांछित अपराधियों की तलाश में भिठौली तिराहे पर मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना मिली कि सीतापुर रोड पर होंडा शोरूम के सामने नाले के किनारे दो संदिग्ध व्यक्ति खड़े हैं, जो राह चलते लोगों को मोबाइल बेचने की फिराक में हैं। इस सूचना पर सक्रियता दिखाते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुँची और दोनों संदिग्धों को दबोच लिया।पूछताछ में पहले युवक ने अपना नाम रवि उर्फ नन्हे पुत्र राममिलन बताया, जो मूल रूप से ग्राम बहरवा थाना पिसांवा जनपद सीतापुर का निवासी है। फिलहाल वह जनता नगरी लाइन का किनारा झोपड़पट्टी, थाना वजीरगंज, लखनऊ में रह रहा था। उसकी उम्र लगभग 26 वर्ष है और वह ऑटो चालक का काम करता है। उसके साथ मौजूद दूसरा आरोपी नाबालिग निकला। तलाशी के दौरान रवि के पास से आसमानी रंग का ओपो कम्पनी का मोबाइल फोन और नाबालिग के पास से नीले रंग का वीवो कम्पनी का एंड्रायड मोबाइल फोन बरामद हुआ।बरामद मोबाइलों के आधार पर थाना मड़ियांव में मुकदमा अपराध संख्या 575/25 धारा 303(2) भारतीय दंड संहिता (बीएनएस) में पंजीकृत किया गया।

संक्षेप

डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती पर कांग्रेस नेताओं ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

लखनऊ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और महान अर्थशास्त्री परम श्रद्धेय डॉ. मनमोहन सिंह की जयंती के अवसर पर आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पूर्व मंत्री राज बहादुर ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कंट्रोल रूम के प्रभारी विजय बहादुर, चिकित्सा प्रकोष्ठ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. पी.के. त्यागी, अनस रहमान, अमानुर रहमान सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर पूर्व मंत्री राज बहादुर ने डॉ. मनमोहन सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदार छवि और दूरदर्शी नेतृत्व भारत को नई ऊँचाईयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुकी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी अटूट निष्ठा, गरीबों और वंचितों के लिए साहसिक निर्णय, और मजबूत अर्थव्यवस्था के निर्माण में उनका ऐतिहासिक योगदान हमेशा हमारे मार्गदर्शन का स्रोत रहेगा। राज बहादुर ने डॉ. सिंह की सादगी, विनम्रता और ईमानदारी को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया और कहा कि उनके आदर्श हम सभी के लिए एक मार्गदर्शक हैं।इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने डॉ. मनमोहन सिंह की दूरदर्शिता और राष्ट्रहित में उनके योगदान को याद करते हुए उनकी शिक्षाओं को अपनाने का संकल्प भी लिया।

लखनऊ नगर निगम: वार्डवार विकास कार्यों के लिए दूसरी किस्त जारी

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल के निर्देश पर नगर निगम, लखनऊ ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के विकास कार्यों के लिए वार्डवार धनराशि की दूसरी किस्त जारी करने का निर्णय लिया है। इससे पहले नगर निगम की कार्यकारिणी और सदन द्वारा विभिन्न विकास प्राथमिकताओं के तहत कुल 2.10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से पहली किस्त जारी की जा चुकी थी।महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि शेष धनराशि 1.10 करोड़ रुपये की दूसरी किस्त तुरंत वार्डवार जारी की जाए, ताकि विकास कार्य समयबद्ध रूप से सम्पन्न हो सकें और शहर में कार्यों की गति बढ़े। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लखनऊ नगर निगम के वार्डों में निर्धारित विकास कार्यों में किसी प्रकार की देरी न हो और नागरिकों को उनकी सुविधाओं का लाभ समय पर मिल सके।महापौर ने इस अवसर पर कहा कि नगर निगम की प्राथमिकता हमेशा शहर के विकास और नागरिकों की भलाई रही है। दूसरी किस्त जारी करने से विभिन्न परियोजनाओं जैसे सड़क निर्माण, नाली सुधार, पार्कों और सार्वजनिक सुविधाओं के संवर्धन में तेजी आएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि निधि का उपयोग पारदर्शी तरीके से किया जाए और सभी कार्य निर्धारित समय में पूरे हों।नगर निगम की इस पहल से लखनऊ के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों का प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और शहर में विकास की गति और सुधार दोनों में वृद्धि होगी।

इटौंजा पुलिस ने शारीरिक शोषण के आरोपी को गिरफ्तार किया

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के उत्तरी जोन अंतर्गत थाना इटौंजा पुलिस ने एक गंभीर मामले में कार्रवाई करते हुए शारीरिक शोषण और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला 23 सितंबर का है, जब पीड़िता ने थाना इटौंजा में तहरीर देकर आरोप लगाया कि विपक्षी द्वारा उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए गए और उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता की शिकायत पर थाना इटौंजा में मुकदमा अपराध संख्या 183/25 धारा 64(1), 127(2), 351(3) बीएनएस के तहत पंजीकृत किया गया।शिकायत दर्ज होने के बाद प्रभारी निरीक्षक इटौंजा के नेतृत्व में आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने लगातार प्रयास करते हुए 26 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर अर्जुनपुर चौराहे के पास दबिश दी और वहां से आरोपी विनोद पुत्र मुन्ने निवासी ग्राम लालपुर, थाना इटौंजा, जनपद लखनऊ, उम्र 26 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आरपीआई ने चंद्रशेखर रावण के 'आई लव यू मोहम्मद' बयान पर जताई कड़ी आपत्ति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर रावण द्वारा 'अस्तित्व बचाओ, भाईचारा बनाओ' कार्यक्रम में "आई लव यू मोहम्मद" बयान देने पर रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया (आठवले), उत्तर प्रदेश ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश महामंत्री और मुरादाबाद मंडल प्रभारी सलीम मलिक ने कहा कि चंद्रशेखर आज़ाद केवल मुस्लिम समुदाय को भड़काने और अपनी वोट बैंक राजनीति चमकाने का प्रयास कर रहे हैं।सलीम मलिक ने आरोप लगाया कि चंद्रशेखर रावण मुस्लिम युवाओं को उकसाकर मुकदमों में फंसवाते हैं और जब हालात बिगड़ते हैं तो वे स्वयं सुरक्षित स्थान पर चले जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि मुस्लिम युवाओं की जिंदगी बर्बाद होती है, जबकि चंद्रशेखर अपनी राजनीतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाते रहते हैं।आरपीआई नेता ने सवाल उठाया कि क्या चंद्रशेखर आज़ाद ने कभी मुस्लिम समुदाय की पढ़ाई, रोजगार, स्वास्थ्य या अधिकारों की दिशा में कोई ठोस काम किया है। उनके अनुसार, केवल वोट पाने के लिए भड़काऊ बयान देना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है बल्कि मुस्लिम समाज के साथ विश्वासघात भी है।सलीम मलिक ने याद दिलाया कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश को भाईचारा और समानता का मार्ग दिखाया, लेकिन चंद्रशेखर आज़ाद उस मार्ग से भटककर समाज को तोड़ने और नफ़रत फैलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असली लड़ाई शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय की है, न कि धार्मिक उन्माद फैलाकर सस्ती लोकप्रियता बटोरने की।

शिन शक्ति 5.0 : छात्रा आन्या शुक्ला बनी मोहनलालगंज की एसीपी, प्रशासनिक अनुभव से हुई परिचित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने 26 सितंबर 2025 को मोहनलालगंज क्षेत्र में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें छात्रा आन्या शुक्ला को एक दिन के लिए एसीपी (सहायक पुलिस आयुक्त) मोहनलालगंज का कार्यभार सौंपा गया। इस पहल का उद्देश्य छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता और समाज सेवा की भावना विकसित करना तथा उन्हें प्रशासनिक कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था।कार्यक्रम के दौरान आन्या शुक्ला ने एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के मार्गदर्शन में कार्यालय में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने थाना मोहनलालगंज का निरीक्षण किया, मिशन शक्ति केंद्र और पिंक बूथ का जायजा लिया तथा महिला आरक्षियों से उनकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी प्राप्त की।छात्रा एसीपी ने क्षेत्र में भ्रमण कर नागरिकों से संवाद स्थापित किया और कानून-व्यवस्था की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने यातायात व्यवस्था का निरीक्षण कर मार्गों पर तैनात पुलिसकर्मियों से चर्चा की और आवश्यक सुझाव दिए। जुमे की नमाज के समय स्थानीय मस्जिद में उपस्थित रहकर शांति बनाए रखने का भी ध्यान रखा गया। इस दौरान उन्हें आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम, जनसंपर्क, महिला सुरक्षा उपाय और त्वरित समस्या निस्तारण की प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गई।आन्या शुक्ला सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज निगोहां, लखनऊ की छात्रा हैं। वर्ष 2024-25 में उन्होंने कक्षा 10वीं की यूपी बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मोहनलालगंज क्षेत्र की टॉपर रही हैं और वर्तमान में कक्षा 11वीं में अध्ययनरत हैं। उनके परिवार में पिता जय शंकर शुक्ला, माता अनुपमा शुक्ला और छोटी बहन आद्या शामिल हैं।इस अवसर पर एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा, प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज डी.के. सिंह, थानाध्यक्ष निगोहा श्री अनुज तिवारी और बाल अधिकार आयोग के सदस्य डॉ. अमरदीप सिंह भी मौजूद रहे।पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र कुमार सेंगर ने कहा कि यह पहल छात्राओं को वास्तविक प्रशासनिक वातावरण से परिचित कराएगी और उन्हें समाज में सशक्त नेतृत्व की प्रेरणा देगी। मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि उन्हें भविष्य में जिम्मेदार नागरिक और प्रशासनिक अधिकारी बनने की राह भी दिखाते हैं।

लखनऊ नगर निगम की जोन-8 में महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरक पहल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने जोन-8 क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आज दिनांक 26 सितंबर 2025 को दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया। यह प्रयास नगर निगम के स्वच्छ उत्सव, स्वच्छता पखवाड़ा और "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में स्वच्छता, महिलाओं की आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता को प्रोत्साहित करना है।जोन-8 कार्यालय परिसर में आयोजित मिशन शक्ति कार्यक्रम का शुभारंभ अधोहस्ताक्षरी के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर मलिन बस्तियों की महिलाएं, स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं और स्थानीय प्रतिभागी शामिल हुए। उन्हें मिशन शक्ति के उद्देश्यों और महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। यह अभियान महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और व्यक्तिगत स्तर पर सशक्त बनाने के लिए 100 दिनों तक जागरूकता गतिविधियों का संचालन करेगा। उपस्थित महिलाओं ने मिशन शक्ति के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।इसी अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत "एक पेड़ माँ के नाम" वृक्षारोपण पहल का भी आयोजन किया गया। अधोहस्ताक्षरी और कार्यालय के कर्मचारियों ने इस पहल का शुभारंभ किया। प्रत्येक प्रतिभागी ने अपनी माता के नाम पर पौधा लगाकर न केवल पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, बल्कि माताओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता भी प्रकट की। आज इस अभियान के तहत जोन-8 कार्यालय परिसर में लगभग 20 पौधे लगाए गए, जबकि पूरे जोन-8 क्षेत्र में कुल मिलाकर लगभग 50 पौधों का रोपण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और हर नागरिक का यह दायित्व है कि वह पर्यावरण की सुरक्षा में योगदान दे।लखनऊ नगर निगम का यह संयुक्त प्रयास महिलाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने और हरित वातावरण के निर्माण की दिशा में प्रेरित करने वाला कदम है। स्थानीय नागरिकों और प्रतिभागियों ने इन अभियानों की सराहना की और इसे नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण संदेश देती है।

यूपी राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाएं ग्लोबल मंच पर प्रस्तुत कर रही हुनर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और उत्पादों का प्रदर्शन किया। इस मंच पर प्रदेश के सभी 75 जनपदों से गठित स्वयं सहायता समूहों ने भाग लिया, जहाँ उन्होंने अपने बनाए उत्पादों को प्रदर्शित और विपणन किया।उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि ट्रेड शो स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के लिए उनके उत्पादों को बढ़ावा देने और ग्लोबल स्तर पर पहचान दिलाने का एक अनूठा अवसर है। उन्होंने बताया कि इस माध्यम से दीदियों के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक बाजार मिलने की संभावना बढ़ी है।ट्रेड शो में उपस्थित लोगों ने मिशन के तहत चल रही विभिन्न योजनाओं जैसे समूह गठन, टेक होम राशन, बी.सी. सखी, विद्युत सखी और बालिनी आदि के संबंध में उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त की और मिशन से जुड़ने की इच्छा भी जताई। इसके साथ ही समूहों द्वारा निर्मित उत्पाद जैसे मसाले, मुरब्बा, अचार, परिधान, जरी-जर्दोज़ी, ज्वेलरी, टेराकोटा, चमड़े के सामान और पारंपरिक व्यंजन बड़ी मात्रा में खरीदे गए।मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि यह आयोजन महिलाओं को अपने उत्पादों के विक्रय के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान कर रहा है और समूह की महिलाएं अच्छा मुनाफा कमा रही हैं। अपराह्न तक लगभग 2.26 लाख रुपये के उत्पादों का विक्रय हो चुका था।

बीएसएनएल के रजत जयंती वर्ष में 4G विस्तार और वित्तीय पुनरुत्थान की बड़ी उपलब्धि

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अपनी स्थापना के 25वें वर्ष पर भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने डिजिटल और वित्तीय मोर्चे पर शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाया है। देशभर में 97,500 मोबाइल स्वदेशी 4G टॉवरों का उद्घाटन 27 सितंबर 2025 को ओडिशा के झारसुगुड़ा से प्रधानमंत्री द्वारा किया गया। बीएसएनएल ने इसमें 92,600 टावर स्थापित किए, जिनमें 18,900 टावर डिजिटल भारत निधि (DBN) परियोजना के अंतर्गत हैं। उत्तर प्रदेश में 6,659 साइटों पर 4G सेवाएँ चालू की गई हैं। इस पहल से लगभग 26,700 दूरस्थ और वंचित गाँव नेटवर्क से जुड़कर 20 लाख से अधिक नए सब्सक्राइबर लाभान्वित हुए हैं।समवर्ती उद्घाटन लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम ने डिजिटल भारत के मिशन को और मजबूती प्रदान की।बीएसएनएल ने वित्तीय मोर्चे पर भी उल्लेखनीय सुधार किया है। लगभग 18 वर्षों में पहली बार कंपनी ने लगातार दो तिमाहियों में लाभ दर्ज किया। वित्त वर्ष 2024–25 की तीसरी तिमाही में ₹262 करोड़ तथा चौथी तिमाही में ₹280 करोड़ का लाभ हुआ। कुल वार्षिक घाटा ₹5,370 करोड़ से घटकर ₹2,247 करोड़ रह गया। परिचालन राजस्व 7.8% बढ़कर ₹20,841 करोड़ पर पहुँचा और EBITDA दोगुना से अधिक होकर ₹5,396 करोड़ हो गया। मार्जिन 23.01% तक सुधरा।स्वदेशी 4G नेटवर्क के विस्तार ने भारत को उन पांच देशों में शामिल किया है जिन्होंने पूरी तरह स्वदेशी 4G टेलीकॉम स्टैक विकसित और लागू किया है। परियोजना में सी-डॉट द्वारा कोर नेटवर्क, तेजस नेटवर्क्स द्वारा रेडियो एक्सेस नेटवर्क और टीसीएस को सिस्टम इंटीग्रेटर के रूप में शामिल किया गया है। यह नेटवर्क भविष्य में 5G में अपग्रेड होने में सक्षम है।

डिजिटल भारत निधि (DBN) परियोजना ने दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। बीएसएनएल इस पहल के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क विस्तार और डिजिटल सशक्तिकरण का प्रमुख भागीदार बन गया है, जिससे उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में सुरक्षित, तेज़ और किफायती कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।इस अवसर पर बीएसएनएल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें CGM UPE अरुण कुमार गर्ग, CGM UPW श्री अरुण कुमार सिंह, PGM (S&M) श्री दीपक गर्ग, DDG (DOT) श्री राजेश कुमार सोनी और Addl. DG (UPE LSA) वीरेंदर कुमार शामिल थे।

बीबीएयू ने दर्ज की ऐतिहासिक उपलब्धि, वैश्विक शोध मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) ने वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्कृष्ट शोध योगदान के बल पर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के पंद्रह संकाय सदस्यों को स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा जारी विश्व-प्रसिद्ध टॉप दो प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान मिला है। यह चयन उनके निरंतर उत्कृष्ट प्रकाशनों, उच्च संदर्भों (साइटेशन) और वैश्विक प्रभाव के आधार पर हुआ है, जिसने बीबीएयू की शोध-प्रतिष्ठा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई ऊँचाई प्रदान की है। सम्मानित वैज्ञानिकों में प्रोफेसर नवीन कुमार अरोड़ा, प्रोफेसर राम चंद्र, डॉ. जयशंकर सिंह, डॉ. राम नरेश भार्गव, प्रोफेसर बी.सी. यादव, प्रोफेसर बी.एस. भदौरिया, प्रोफेसर देवेश कुमार, डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ. आदित्य खानपरिया, डॉ. अभिषेक वर्मा, डॉ. मुकेश कुमार अवस्थी समेत तीन अन्य शामिल हैं। इस सूची का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय मंच पर बीबीएयू की मजबूत उपस्थिति को रेखांकित करता है।राष्ट्रीय स्तर पर भी विश्वविद्यालय ने अपने शोध योगदान से नई पहचान अर्जित की है। 18 सितंबर 2025 को बीबीएयू को क्लैरिवेट इंडियन रिसर्च एक्सीलेंस – साइटेशन अवार्ड 2025 से नवाजा गया। यह सम्मान केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रेणी में दिया गया और बीबीएयू को भारत के उन शीर्ष संस्थानों में स्थापित किया, जिनके शोध-प्रकाशन और संदर्भ प्रदर्शन असाधारण माने गए। इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय को देश के अग्रणी प्रदर्शनकारी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में स्थान दिलाया है।अपने शैक्षणिक वातावरण को और अधिक समृद्ध बनाने के लिए बीबीएयू ने एमिनेंट लेक्चर सीरीज़ की भी शुरुआत की है। इस पहल के अंतर्गत विभिन्न विभागों में विशेषज्ञ विद्वानों को आमंत्रित किया जा रहा है, जिससे अंतःविषयी संवाद और ज्ञानवर्धन की परंपरा को बढ़ावा मिले। विश्वविद्यालय की शोध-प्रतिबद्धता उसके उच्च NAAC प्रत्यायन स्कोर से भी परिलक्षित होती है। हाल के वर्षों में शोध परियोजना प्रस्तावों, पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप आवेदनों और विभिन्न फंडिंग प्रस्तावों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो एक सक्रिय और समर्पित शैक्षणिक समुदाय का प्रमाण है।नवाचार और समाजोपयोगी शोध को बढ़ावा देने की दिशा में विश्वविद्यालय प्रशासन ने भी ठोस पहल की है। कुलपति प्रोफेसर आर.के. मित्तल ने घोषणा की है कि समाजोपयोगी शोध परियोजनाओं के लिए अध्यापकों और विद्यार्थियों को इंट्राम्यूरल ग्रांट उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि वे आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश और आत्मनिर्भर भारत के मिशन में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस योजना के दिशा-निर्देश तैयार कर लिए गए हैं और शीघ्र ही अधिसूचित किए जाएंगे। साथ ही शोधार्थियों को फेलोशिप प्राप्त करने में सुविधा देने के उद्देश्य से विस्तृत गाइडलाइन भी जारी की गई है।इन उपलब्धियों और पहलों ने बीबीएयू को लगातार शैक्षणिक उत्कृष्टता का एक प्रकाशस्तंभ बना दिया है। विश्वविद्यालय न केवल परिवर्तनकारी शोध को प्रोत्साहित कर रहा है बल्कि भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं को तैयार करने की दिशा में भी दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ रहा है।

लुत्फ उठाइए भविष्य के स्वाद का

केंद्रीय मंत्री के रूप में सितंबर 2024 में मेरा पहला वर्ल्ड फूड इंडिया (डब्ल्यूएफआई) मेरे लिए यादगार अनुभव रहा । उन चार दिनों के दौरान, मैंने खेत से लेकर भोजन की थाली तक के पूरे इकोसिस्टम : वैश्विक खरीदारों के साथ राज्यों के मंडप, प्रौद्योगिकी के प्रदर्शनों के साथ-साथ एफपीओ और एसएचजी, और निवेश घोषणाओं के साथ-साथ नीतिगत संवाद को - एक साथ आते देखा। इसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के दृष्टिकोण के अनुरूप भारत को विश्व की खाद्य टोकरी बनाने के एक रणनीतिक मंच के रूप में डब्ल्यूएफआई की भूमिका की पुष्टि की

उस अनुभव ने 2025 की रूपरेखा तैयार की । खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की यात्राओं, उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ संवाद तथा गल्फूड और डब्ल्यूईएफ जैसे वैश्विक मंचों पर भागीदारी से मेरी यह धारणा और ज्यादा प्रबल हुई कि दुनिया को भारत की कृषि-खाद्य विविधता और क्षमताओं को देखने की जरूरत पहले से कहीं अधिक है । हमने अगले संस्करण को और भी ज्यादा साहसिक और परिणाम-केंद्रित बनाने, नवाचार को निवेश में बदलने और भारत को विश्वसनीय वैश्विक खाद्य केंद्र के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया। इस महत्वाकांक्षा को नीतिगत अनुकूल परिस्थितियों, खासकर अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों से बल मिला है। अधिकांश प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों पर पाँच या शून्य प्रतिशत कर लगाकर, इन सुधारों ने इस क्षेत्र के लिए अनुकूल और प्रतिस्पर्धी माहौल तैयार किया है।

इस पृष्ठभूमि के साथ, हम 25 से 28 सितंबर तक डब्ल्यूएफआई 2025 की मेज़बानी के लिए तैयार हैं। इसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री करेंगे, जो इस क्षेत्र के लिए सरकार की उच्च प्राथमिकता को इंगित करता है। इस संस्करण में न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब भागीदार देश होंगे, जबकि जापान, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम और रूस फ़ोकस देश होंगे। सहकारी संघवाद का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्थानीय खूबियों की झलक दिखाने वाले मंडपों के साथ इस आयोजन को समृद्ध करेंगे। डब्ल्यूएफआई प्रमुख प्रदर्शनियों और बी2बी मंचों के साथ ही साथ, एफएसएसएआई द्वारा तीसरे वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन और एसईएआई द्वारा 24वें इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो की मेज़बानी करेगा। डब्ल्यूएफआई पूरी तरह सरकारी तंत्र की शक्ति से संचालित होता है। जहाँ एक ओर, हमारा मंत्रालय नेतृत्व करता है, वहीं हम मूल्य श्रृंखला के सभी मंत्रालयों जैसे - पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य पालन, वाणिज्य, डीपीआईआईटी, कृषि एवं किसान कल्याण, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आयुष, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और उनके अधीन एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते हैं ताकि उत्पादन, मानक, व्यापार और निवेश आपसी तालमेल से आगे बढ़ सकें।

डब्ल्यूएफआई का एजेंडा पाँच प्रमुख स्तंभोंः स्थिरता और नेट-ज़ीरो खाद्य प्रसंस्करण; वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण केंद्र के रूप में भारत; खाद्य प्रसंस्करण, उत्पाद और पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों में अग्रणी; पोषण और स्वास्थ्य के लिए प्रसंस्कृत खाद्य तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाले पशुधन एवं समुद्री उत्पाद-पर आधारित है। प्रत्येक स्तंभ को विशेष रूप से तैयार किए गए सत्रों, बी2बी बैठकों और अपनाने के तरीकों के साथ जोड़ा गया है, ताकि भागीदारी चर्चा से आगे कार्यान्वयन तक बढ़ सके। पीएमएफएमई लघु-उद्यमियों की उल्लेखनीय सफलता डब्ल्यूएफआई के प्रभाव को दर्शाती है। निःशुल्क स्टॉल उन्हें आयोजन के केंद्र में बनाए रखते हैं, जिससे उनका घरेलू और वैश्विक दिग्गजों के साथ जुड़ाव संभव होता है। उनकी भागीदारी से करोड़ों के व्यापारिक ऑर्डर और स्थायी साझेदारियाँ प्राप्त हुई हैं। इस वर्ष भी कई उद्यमी लौट रहे हैं, क्योंकि हम गर्व सहित भारत के सबसे छोटे खाद्य उद्यमियों के लिए भी समान अवसर सुनिश्चित करते हैं।

डब्ल्यूएफआई का मुख्य आकर्षण सीईओ गोलमेज चर्चा है, जहाँ उद्योग जगत के दिग्गज, निवेशक और नीति निर्माता सहयोग को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए रणनीतिक संवाद में भाग लेते हैं। उल्लेखनीय है कि 2024 में यहाँ उठाए गए जीएसटी संबंधी मुद्दों ने अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों को जन्म दिया, जो हमारी सरकार के परामर्शी और उत्तरदायी दृष्टिकोण को दर्शाता है। सही मायनों में समग्र होने के लिए, डब्ल्यूएफआई होरेका और एल्कोबेव क्षेत्रों सहित सभी हितधारकों को शामिल करता है और सभी उप-क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देता है। हम जैविक और टिकाऊ उत्पादों से समृद्ध अपने पूर्वोत्तर क्षेत्र को भी प्रमुखता दे रहे हैं। इसका मंडप पूर्वोत्तर को वैश्विक स्तर पर भारतीय जैविक ब्रांडों के लिए लॉन्चपैड बनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए असम की चाय से लेकर मेघालय की हल्दी तक सब कुछ प्रदर्शित करेगा। डब्ल्यूएफआई की विश्वसनीयता इसके काम के प्रदर्शन पर आधारित है। 2017 से, इसने 38,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश हासिल किया है। 2024 के संस्करण में 1,500 से ज़्यादा प्रदर्शक और 20 कंट्री पेवेलियन शामिल हुए, जिससे 93 मिलियन डॉलर के व्यापारिक ऑर्डर मिले। 50 से ज़्यादा नई प्रसंस्करण इकाइयों का उद्घाटन किया गया, 25,000 लघु उद्यमों को सब्सिडी दी गई और 245 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश से एसएचजी की 70,000 महिलाओं को मदद मिली।

महिलाएं: भारत की मौन शक्ति, जो हमें भविष्य की ओर ले जा रही हैं

डॉ। किरण मजूमदार-शॉ

महिलाएं सिर्फ इस यात्रा की भागीदार नहीं हैं, बल्कि इसकी असली संवाहक हैं। प्रयोगशालाओं, अस्पतालों, खेतों और बायोटेक स्टार्ट-अप्स में उनके मौन लेकिन प्रभावशाली कार्य हमारे भविष्य को गढ़ रहे हैं।

जब हम अपने प्रधानमंत्री के जीवन के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो हमें उनकी यह प्रतिज्ञा याद आती है कि महिलाओं की पूरी भागीदारी के बिना भारत एक विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता। उनका स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान एक गहरी सच्चाई को दर्शाता है:₹अगर मां स्वस्थ रहती है तो पूरा घर स्वस्थ रहता है। अगर मां बीमार पड़ जाती है, तो पूरा परिवार बिखर जाता है।₹यह मानना कि महिलाओं का स्वास्थ्य ही हमारे राष्ट्रीय प्रगति की नींव है, भारत की विकास यात्रा का मुख्य आधार है।

महिलाएं सिर्फ इस यात्रा की भागीदार नहीं हैं, बल्कि इसकी असली संवाहक हैं। प्रयोगशालाओं, अस्पतालों, खेतों और बायोटेक स्टार्ट-अप्स में उनके मौन लेकिन प्रभावशाली कार्य हमारे भविष्य को गढ़ रहे हैं। उन 10 लाख आशा कार्यकर्ताओं के बारे में सोचें, जो भारत की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की रीढ़ हैं, जो अक्सर प्रकोप के दौरान सबसे पहले मदद पहुंचाती हैं या फिर आईसीएमआर, एनआईवी और एम्स की महिला वैज्ञानिकों पर विचार करें, जिन्होंने 2020 में सार्स - सीओवी-2 वायरस को अलग करने में मदद की और भारत के स्वदेशी टीकों का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके कारण दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान में 2 अरब से अधिक टीकाकरण किए गए।

भारत की 62।9 प्रतिशत महिला कार्यकर्ता कृषि में हैं, और अब इनमें से कई को सूखा-रोधी व फसल सुरक्षा जैसे बायोटेक समाधान अपनाने का प्रशिक्षण दिया गया है।2 बायोटेक उद्यमिता में भी महिलाएं सस्ते डायग्नोस्टिक, जीनोमिक्स और वैक्सीन नवाचार जैसे क्षेत्रों में स्टार्ट-अप्स की अगुवाई कर रही हैं। ये कोई अकेली कहानियां नहीं हैं, ये भारत की नारी शक्ति का जीता जागता सबूत हैं।

महिलाओं की क्षमता को उभारने में सरकारी पहल निर्णायक रही हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ से लेकर मिशन शक्ति तक, संसद में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने वाला ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम हो, या प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया और जन धन योजना के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण- महिला-प्रधान विकास की मजबूत रूपरेखा तैयार हो चुकी है।

54 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं, जिनमें लगभग 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। वित्तीय समावेशन का ऐसा स्तर दुनिया भर में शायद ही कभी देखा गया हो।

मुद्रा योजना के तहत 43 करोड़ ऋणों में से लगभग 70 प्रतिशत ऋण महिला उद्यमियों को दिए गए हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जल्द ही यह सुनिश्चित करेगा कि संसद की एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हों। जिससे नीति निर्माण में उनकी आवाज़ सुनिश्चित होगी।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीय महिलाएं सचमुच सितारों तक पहुंच रही हैं। इसरो में महिलाओं ने चंद्रयान-2 और मंगलयान जैसी मिशनों में निदेशक की भूमिका निभाई, जिससे भारत की अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभरती छवि सामने आई। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत, एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी के मामले में दुनिया में अग्रणी है:

भारत में 43 प्रतिशत एसटीईएम स्नातक महिलाएं हैं, जबकि अमेरिका में 34 प्रतिशत, यूरोपीय संघ में 32 प्रतिशत और ओईसीडी देशों में औसतन 33 प्रतिशत फिर भी, वैज्ञानिक संस्थानों में केवल 19 प्रतिशत वैज्ञानिक, इंजीनियर और टेक्नोलॉजिस्ट ही सीधे अनुसंधान और विकास से जुड़े हैं, जिससे यह ज़रूरी हो जाता है कि शिक्षा में मिली सफलता को कार्यस्थलों पर भी प्रतिनिधित्व में बदला जाए।

सरकार के बायोकेयर और वाइज किरण जैसे कार्यक्रमों ने करियर ब्रेक के बाद लौटीं महिला वैज्ञानिकों को फिर से नवाचार शुरू करने का अवसर दिया है। हाल ही में बीआईआरएसी ने 75 से अधिक महिला बायोटेक उद्यमियों को सम्मानित किया, जो नई पीढ़ी की महिला नेतृत्व का संकेत है। वैश्विक स्तर पर बायोटेक नेतृत्व पदों पर महिलाएं 20 प्रतिशत से भी कम हैं, ऐसे में भारत की यह प्रगति विज्ञान उद्यमिता में समावेशिता के नए मानक तय कर सकती है।

विज्ञान-आधारित विकास का भविष्य उन महिलाओं द्वारा गढ़ा जाएगा जो जीनोमिक्स, मॉलिक्युलर डायग्नोस्टिक्स, बायोलॉजिक्स और सटीक उपचार को आगे बढ़ाएंगी। वे जैव प्रौद्योगिकी आपूर्ति श्रृंखलाओं, नियामक पारिस्थितिकी प्रणालियों और जमीनी स्तर के स्वास्थ्य वितरण नेटवर्क का नेतृत्व करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि किफायती चिकित्साएं दूर-दराज के गांवों तक भी पहुंचें। एक गैराज लैब से लेकर एक वैश्विक बायोलॉजिक्स कंपनी बनाने तक की मेरी अपनी यात्रा ने मुझे सिखाया है कि नवाचार केवल बोर्डरूम में ही जन्म नहीं लेता। यह जमीनी स्तर से जन्म लेता है और मेहनत व धैर्य से आगे बढ़ता है, चाहे वह तकनीशियन हो, शोधकर्ता (पोस्ट-डॉक) या स्वास्थ्यकर्मी। जब उन्हें अवसर और पहचान मिलती है, तो उनका प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

जैव प्रौद्योगिकी क्रांति, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा बनाए रखने और अंतरिक्ष व डिजिटल तकनीक के नए आयाम आने वाले दशकों में भारत की प्रगति को परिभाषित करेंगे। प्रधानमंत्री की दृष्टि स्पष्ट है: महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि इस भविष्य की सह-निर्माता के रूप में देखा जाना चाहिए। अब समय आ गया है कि सभी क्षेत्रों में नेतृत्व यह सुनिश्चित करे कि महिला वैज्ञानिक, नर्सें, स्वास्थ्यकर्मी और उद्यमी पूरी तरह से दिखाई दें, उन्हें पर्याप्त संसाधन मिलें और वे पूरी तरह सशक्त हों। जब ऐसा होगा, तो भारत न केवल अपना वादा पूरा करेगा बल्कि दुनिया की उम्मीदों से भी आगे बढ़ जाएगा। क्योंकि हम सभी द्वारा निर्मित और महिलाओं के नेतृत्व वाला भविष्य अजेय होगा

अजब-गजब

जिराफ जितना वजन सहा, गर्दन से मोड़ीं 21 लोहे की सलाखें ; ये हैं Steel Man Of India, अब किया ये खौफनाक कारनामा

'भारत के स्टील मैन' नाम से मशहूर विस्पी खराडी ने अपनी गजब की ताकत से दुनिया को चौंका दिया है। उन्होंने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। 17 अगस्त, 2025 को विस्पी ने अटारी बॉर्डर हरक्यूलिस पिलर्स चैलेंज में एक नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला। उन्होंने अपनी जबरदस्त शक्ति का प्रदर्शन करते हुए 575।4 पाउंड (यानी 261 किलो) का वजन सफलतापूर्वक उठाया, जो इस कैटेगरी में किसी पुरुष द्वारा उठाया गया अब तक का सबसे भारी वजन है।

Guinness World Records के अनुसार, भारतीय मार्शल आर्टिस्ट विस्पी ने जितना वजन उठाया, वह एक ध्रुवीय भालू के वजन के लगभग आधे के बराबर था। उन्हें कम से कम एक मिनट तक वजनी पिलर्स को थामने रखना था, लेकिन हमारे 'स्टील मैन' ने सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। विस्पी ने पूरे 67 सेकंड तक खंभों को थामे रखा। इस दौरान हजारों दर्शक जोश में चिल्लाते रहे और तालियां बजाते रहे।

बता दें कि यह विस्पी का 17वां वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को विस्पी ने भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया। विस्पी के लिए यह चुनौती नई नहीं है। इससे पहले वह नवंबर 2024 में 166।7 किलोग्राम और 168।9 किलोग्राम वजन के साथ हरक्यूलिस पिलर्स को सबसे लंबे समय तक थामे रखने का रिकॉर्ड बना चुके हैं। ये भी देखें: Video: तेंदुए ने लगाई ऐसी अद्भुत छलांग, देखकर मंत्रमुग्ध हुए लोग, बोले-Amazing !

2019: एक मिनट में अपनी गर्दन से 21 लोहे की सलाखों को मोड़ना। 2022: कीलों के बिस्तर पर 528 किलोग्राम कंक्रीट को तोड़ना। 2025: अपने शरीर पर 1,819 किलो वजन सहना, जो लगभग एक जिराफ के बराबर है।

ब्लॉग

स्वदेशी के मंत्र से आत्मनिर्भर होगा भारत

शिवप्रकाश

भारत के साथ टैरिफ समझौते में अमेरिका की ओर से बनाए जा रहे दबाव के तहत 25 प्रतिशत का टैरिफ न सिर्फ अतार्किक है बल्कि भारत के ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था व स्वावलंबन पर सीधा हमला है। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का ₹स्वदेशी₹ और ₹आत्मनिर्भर भारत₹ का आह्वान अब सिर्फ भावनात्मक नहीं बल्कि रणनीतिक जवाब है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था सिर्फ खेतों और डेयरी क्षेत्र तक सीमित नहीं है। भारत का यह एक सामाजिक आर्थिक ढांचा है जिसमें छोटे किसान, महिला स्व-सहायता समूह, सहकारी समितियाँ और पारंपरिक उत्पादन श्रृंखला शामिल हैं। भारत के 86 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत हैं जिनकी जोत दो हेक्टेयर से भी कम है। देश की आठ करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवार डेयरी क्षेत्र से जुड़े हैं। इनमें से अधिकांश महिलाएं और भूमिहीन किसान शामिल हैं। यह पूरा समूह बेहद संवेदनशील है जिसकी आजीविका के लिए सरकार पूरा सहयोग व समर्थन देती है। इतनी बड़ी जनसंख्या का पूरा ढांचा न्यूनमत समर्थन मूल्य (MSP), सब्सिडी और सीमा शुल्क पर निर्भर करता है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी कृषि व डेयरी के हितों की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। टैरिफ संरचना की रक्षा करना, स्थानीय मूल्य श्रृंखलाओं को

मज़बूत करना, किसान उत्पादक संगठन, कोल्ड स्टोरेज, प्रोसेसिंग इकाइयों को मजबूत बनाना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, पोषण और पारंपरिक कृषि विविधता की रक्षा करने के साथ ग्रामीण जीवन और आजीविका की सुरक्षा करने के लिए सरकार सभी प्रकार से प्रतिबद्ध है।

इन्हीं आशंकाओं के मद्देनजर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने काशी प्रवास में देश की जनता से स्वदेशी का नारा बुलंद किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया ने स्वदेशी हथियाओं की ताकत का अनुभव किया है। प्रधानमंत्री ने इसे भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ताकत कहा। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता और आशंका का वातावरण है। इस अस्थिरता से उबारने के लिए सभी देश अपने राष्ट्रीय हितों के संरक्षण की नीति अपना रहे हैं। ऐसे में भारत अलग कैसे रह सकता है। हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहे हैं। इसके मद्देनजर हमे भी अपने राष्ट्रीय हितों के प्रति सजग रहते हुए किसानों, लघु उद्योगों और नौजवानों के रोजगार के प्रति सजग रहना होगा। तीसरी अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दलगत भाव से ऊपर उठकर समस्त दल, प्रबुद्ध नागरिकों और समाज को स्वदेशी के ही मंत्र को उद्घोष करना चाहिए। हम स्वदेशी को अपनाएं और स्वदेशी को बढ़ाएं।

गत दशक में भारत की अर्थव्यवस्था उत्तरोत्तर प्रगति के शिखर पर जा रही है । वर्ष 2013- 2014 में हम 11 वें नंबर की अर्थव्यवस्था थे जो आज चौथे नंबर पर है , और अब तीव्र गति से तीसरे नंबर की ओर बढ़ रहे है । हमारी विकास दर 6.4 % की गति से बढ़ रही है । रक्षा, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में भारत का प्रभाव बढ़ा है । विश्व बाजार में भी भारत की भागीदारी भी बढ़ी है । हमारी गरीब कल्याण की योजनाओं के कारण 24 करोड़ से अधिक गरीब गरीबी रेखा से ऊपर आए है । ढांचागत विकास सहित भारत ने सभी क्षेत्रों में प्रगति की है । हमारी मूलभूत सुविधाओं का स्तर विश्व स्तरीय हो रहा है । ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम भोलेनाथ को पूजते भी हैं तथा आवश्यकता पड़ने पर हम अपनी सुरक्षा के लिए कालभैरव भी बन जाते हैं ।बढ़ती आर्थिक प्रगति, सक्षम सुरक्षा नीति एवं बढ़ता भारत का वैश्विक प्रभाव दुनिया के देशों में भारत के प्रति ईर्ष्या का भाव भी उत्पन्न कर रहा है ।

अमेरिका की कृषि व्यवस्था औद्योगिक, सब्सिडी-समर्थित और बड़े पैमाने वाली है। इसके मुकाबले भारत में कृषि क्षेत्र में छोटी जोत वाले किसान शामिल है। भारत में कृषि पर निर्भर जनसंख्या लगभग 55% है जो बहुतांश गांव में रहती है । भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में कृषि क्षेत्र का 15%योगदान है । भारत में खेती की सफलता पूरी तरह मौसम की अनिश्चितता पर निर्भर है। श्रम-आधारित व्यवस्था पर टिकी भारत की खेती की तुलना अमेरिका की खेती से नहीं की जा सकती है। ऐसे में अमेरिका व भारत जैसे देश परस्पर समान टैरिफ पर नहीं आ सकते हैं। भारत का कपड़ा, खाद्यान्न, चीनी,डेयरी एवं मत्स्य व्यवसाय कृषि के साथ ही जुड़ता है । कृषि व डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को अमेरिका के लिए खोलने की जिद बेमानी होगी। यदि ऐसा हुआ तो अमेरिकी सस्ते डेयरी उत्पादों से भारतीय बाजार पट जाएगा। महिलाओं के स्व-सहायता समूह, जैसे अमूल जैसी सहकारी संस्थाएं आर्थिक संकट में पड़ जाएंगी। भारतीय किसानों के उत्पादों की कीमतें बाजार में कौड़ियो के भाव बिकने को मजबूर होंगी। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक संकट, बेरोजगारी, पलायन और असंतोष शुरू हो सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने गत दशक में कृषि एवं किसान कल्याणके लिए अनेक नीतियां बनाई है । पिछले एक दशक में कृषि बजट में 5 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है, जो बजट 2013- 2014 में 21,933 करोड़ की तुलना में 2023-2024 में 1.25 लाख करोड़ हो गया । सहकारिता क्षेत्र भी भारत में महिलाओं एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को शक्तिशाली करने में जुटा है । ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि एवं कृषक कल्याण, महिला सुरक्षा, डेयरी उद्योगों का संरक्षण एवं सहकारिता का पोषण यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है । जिसका आह्वान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया है ।

स्वदेशी केवल तत्कालीन नहीं बल्कि भारत की आत्मा का उद्घोष है। यह भारत की एकता, देशभक्ति एवं सामूहिक आकांक्षाओं का शंखनाद है। भारत में स्वदेशी का मंत्र समय-समय पर अलग-अलग रूपों में प्रकट हुआ है। यही मंत्र ब्रिटिश गुलामी के समय विदेशी सत्ता को उखाड़ने में भी विदेशी वस्त्रों की होली जलाकर, वंदे मातरम के रूप में आया। प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में कराए गए परमाणु विस्फोट के बाद भी भारत में प्रतिबंध लगाए गए थे, जिसका जवाब स्वदेशी के नारे ने दिया था। पूरी दुनिया को स्वदेशी भाव से समुचित प्रत्युत्तर दिया गया था। स्वदेशी के मंत्र से आवश्यक संयम एवं स्वावलंबन का भाव जगेगा और अनावश्यक रूप से विदेशी पूंजी पर निर्भरता को मोह से हम बचेंगे। स्वदेशी के मंत्र पर अमल से डिफेंस उद्योग का विकास होगा, कृषि पैदावार बढ़ेगी, श्रम प्रधान उद्योग का विस्तार होगा। सार्वजनिक सेवाओँ और मूलभूत उद्योगों का विस्तार होने से हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत आधार मिलेगा। प्रधान्मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं तथ्यों के आधार पर स्वदेशी के व्यवहार का आह्वान किया है। हम इसे अपने जीव नें अपना कर भारत को पुनः अजेय ताकत के रूप में स्थापित कर सकते हैँ। यही समय की मांग है।

(राष्ट्रीय सह महामंत्री संगठन भाजपा)

मौलाना तौकीर अपने एलान पर कायम, कहा- नमाज के बाद डीएम को देंगे ज्ञापन, पुलिस ने इस्लामिया ग्राउंड किया सील

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। बरेली में आई लव मोहम्मद मामले में इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां अपने एलान पर कायम हैं। उन्होंने शुक्रवार सुबह एक वीडियो जारी कर कहा कि मीडिया जो खबरें चल रही हैं, वह सरासर गलत हैं। पुलिस प्रशासन के साथ कुछ मुखबिरों ने मिलकर साजिश रचकर यह काम किया है। मौलाना ने कहा कि उन्होंने जो एलान किया था। उसके मुताबिक अमल किया जाएगा।

जुमे की नमाज नौमहला मस्जिद में पढ़ेंगे। उसके बाद बहुत ही जिम्मेदारी और अमन के साथ हम अपनी तकलीफों और परेशानियों के लिए डीएम के जरिए राष्ट्रपति को ज्ञापन देना चाहते हैं। इसमें किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं है। अगर जिला प्रशासन लोगों को रोक-टोक करेगा या उनके साथ बदतमीजी की जाएगी। ज्यादती की जाएगी तो उसकी जवाबदेही जिला प्रशासन की खुद होगी। हमारा कार्यक्रम पूरी तरह अमन का है। मौलाना ने अपील करते हुए कहा कि बहुत ही जिम्मेदारी के साथ अच्छे मुसलमानों और सच्चे हिंदुस्तानियों की तरह इस ज्ञापन में शामिल हों। अपने बेदारी (जागरूकता) का सबूत दें। किसी तरह का गैरकानूनी या गैर शरई नारा ना लगाएं। मौलाना तौकीर रजा के प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर पुलिस ने सौदागरान और विहारीपुर की गलियों को छावनी बना दिया है। बृहस्पतिवार शाम को इन्हीं गलियों में घूमकर डीएम एसएसपी ने बिना अनुमति आयोजन पर कार्रवाई की बात कह दी। देर रात तक आईएमसी प्रवक्ता का भी मौलाना से संपर्क नहीं हो पा रहा था। कानपुर से शुरू हुई चिंगारी ने कई जगह हंगामा बरपाया है। बरेली में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा ने इस मामले पर नाराजगी जताते हुए शुक्रवार को धरना प्रदर्शन करने और कलक्ट्रेट जाकर अधिकारियों को ज्ञापन देने का ऐलान किया था। हालांकि रात में आईएमसी लेटर पैड पर सिर्फ ज्ञापन देने की बात कही गई। वहीं सुबह मौलाना तौकीर ने इसे साजिश करार दिया। उधर, पुलिस ने इस्लामिया ग्राउंड को सील कर दिया है। पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

जिले में धारा-163 लागू

डीएम और एसएसपी ने विहारीपुर इलाके में घूमकर कहा कि बिना अनुमति के किसी ने भी रैली निकालने या प्रदर्शन करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम अविनाश सिंह ने कहा कि जिले में धारा-163 (पूर्व में 144) लगी है। पूरे जिले में रैली, धरना-प्रदर्शन पर रोक लगी है। उल्लंघन पर कार्रवाई की जाएगी।

माहौल खराब करने की कोशिश की तो होगी कार्रवाई

एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि नवरात्र में अगर कोई व्यक्ति माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। एसएसपी ने बताया कि 15 कंपनी पीएसी के साथ ही 37 सौ पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। इसमें दूसरे जिलों से 200 दरोगा, 500 सिपाही, पांच कंपनी पीएसी, जिले से 700 दरोगा, 2500 आरक्षी और मुख्य आरक्षी मौजूद रहेंगे। 13 सीओ, पांच एडिशनल एसपी भी तैनात किए गए हैं।

शजर पत्थर से बना राम मंदिर देख गदगद हुए पीएम मोदी, सीएम योगी ने भी कर दिया बखान... बताया किस जिले में बना!

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। इंटरनेशनल ट्रेड शो में हस्तशिल्पी द्वारिका प्रसाद सोनी की ओर से तैयार किए गए शजर पत्थर से बने राम मंदिर की छटा देख प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गदगद हो गए। बिना बोले प्रधानमंत्री के चेहरे के हाव भाव वह सब कुछ बयां कर दिया, जिसे हस्तशिल्पी द्वारिका प्रसाद सोनी को उम्मीद भी नहीं थी। उन्होंने प्रधानमंत्री के चेहरे की मुस्कान देखकर अपना परिचय देते हुए जैसे ही शजर पत्थर से निर्मित राम मंदिर के बारे में बताना चाहा वैसे ही साथ में चल रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को बांदा के शजर पत्थर हस्तशिल्प से रूबरू करवाते हुए आगे बढ़ने लगे। करीब एक मिनट के समय में प्रसन्न मुद्रा में प्रधानमंत्री शजर पत्थर से निर्मित राम मंदिर की भव्यता को निहारते रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने दो बार आश्चर्य भरी निगाहों से द्वारिका प्रसाद सोनी की ओर भी देखा। द्वारिका प्रसाद सोनी ने दैनिक जागरण को फोन पर बताया कि प्रधानमंत्री का उनके हस्तशिल्प को देख प्रसन्न होना व आश्चर्य भरी निगाहों से देखना उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि उनकी ही नहीं बल्कि बांदा के विश्व स्तर पर एक विशेष पहचान रूप में है। ग्रेटर नोएडा में पांच दिवसीय इंटरनेशनल ट्रेड शो के शुभारंभ में शहर के हस्तशिल्पी द्वारिका प्रसाद सोनी द्वारा तैयार किए गए शजर पत्थर से बने राम मंदिर के साथ उनके स्वागत के लिए विशेष गैलरी में स्थान मिला था। द्वारिका प्रसाद सोनी ने बताया कि उनका आश्चर्य भरी निगाहों से देखना उनके लिए आशीर्वाद के साथ बहुत बड़ी बात है।

डायरिया रोकथाम के लिए किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा पोर्टल पर जरूर दर्ज करें : सीएमओ

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की समीक्षा बैठक शुक्रवार को सीएमओ कार्यालय के सभागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा वल्लभ की अध्यक्षता में हुई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि समुदाय में आशा, एएनएम और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा डायरिया रोकथाम के लिए जो भी कार्य किये जा रहे हैं उनकी रिपोर्ट हेल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) पोर्टल, ई कवच और अन्य संबंधित पोर्टल पर भी अवश्य होनी चाहिए।

बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व नोडल अधिकारी आरसीएच डॉ. आलोक कुमार ने कहा कि डायरिया से बच्चों को पूरी तरह से सुरक्षित बनाने के लिए जन जागरूकता बहुत जरूरी है। डायरिया से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया जाना चाहिए। पीएसआई इंडिया के अजय कुमार ने विगत तीन माह की प्रगति एवं दस्त रोको अभियान के दौरान जिले में किये गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि पीएसआई इंडिया और केनव्यू द्वारा जनपद के 18 प्रमुख स्थानों पर डायरिया जागरूकता संबंधित दीवार लेखन किया गया है, ताकि जन-जन में जागरूकता की अलख जगाई जा सके। ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर आशा एवं एएनएम की बैठक में प्रतिभाग कर डायरिया पर चर्चा की गयी है। इसके अलावा अतिरिक्त छाया ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्रों का सहयोगात्मक निरीक्षण किया जा रहा है। ग्रामीण एवं शहरी स्वास्थ्य इकाइयों पर ओआरएस व जिंक कार्नर बनाने का कार्य किया जा रहा है। इस तिमाही में जुलाई से अब तक करीब 808 आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम, आशा संगिनी का डायरिया पर अभिमुखीकरण किया गया है I पम्पलेट आदि प्रचार सामग्री (आईईसी) का वितरण किया गया है। प्रचार वाहन के संचालन के बारे में भी चर्चा हुई। बैठक में डॉ. अनुज चौधरी, डॉ. रोहताश तेवतिया, डॉ. वी डी गौतम, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) संजय सिहोरिया, डीसीपीएम डॉ. पारुल शर्मा, जिला शहरी स्वास्थ्य समन्वयक फौजिया खानम, जिला मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सलाहकार मुकेश गौतम, पीएसआई इंडिया के चोब सिंह बघेल एवं ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा अधीक्षक एवं ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

एक कदम स्वच्छता की ओर

गोण्डा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेट लिमिटेड गोंडा के तत्वधान में आवास विकास स्थित प्रेरणा पार्क में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया। योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने बताया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेट लिमिटेड गोण्डा के मैनेजर सतेंद्र कुमार सहित उपस्थित कर्मचारियों के साथ साथ पार्क में उपस्थित समस्त योगसाधोकों ने झारू लगाकर पार्क की सफाई कर श्रम दान किया और स्वस्थता का संदेश दिया। योगाचार्य ने बताया साथ ही साथ पार्क के विभिन्न स्थानो पर कूड़ेदान भी रखे गए। योग के साथ स्वच्छता का संकल्प समाज को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एक सामूहिक प्रयास है, जहाँ योग के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर, मन और आसपास की स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करता हैI योग और पर्यावरण की सेहत का गहरा संबंध है। स्वच्छ और स्वस्थ जीवन जीने के लिए योगासन से पहले और योगासन के दौरान भी शरीर और आसपास के वातावरण को साफ रखना ज़रूरी है।

टीचर पर तेजाब फेंकने वाले आरोपी का एनकाउंटर, दोनों पैरों में लगी गोली

पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़

इस दौरान पुलिस को आरोपी के लोकेशन का पता चल गया। पुलिस ने देर रात नाकाबंदी की तभी आरोपी स्कूटी आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन पुलिस को देख आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी और भागने का प्रयास करने लगा। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाई। इस दौरान आरोपी के दोनों पैर में गोलियां लगी और वह घायल हो गया।

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में महिला टीचर के ऊपर हुए एसिड अटैक मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिससे आरोपी के दोनों पैर में गोलियां लगी। घायल आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लेकर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है, जहां पुलिस निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। इस दौरान घायल आरोपी माफी मांगता भी नजर आया।

मामले में टीचर 23 सितम्बर को स्कूल से लौट रही थी। इस दौरान आरोपी ने युवती के ऊपर एसिड डाला था, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हुई थीं। अभी उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार था। मामले की जानकारी मिलने के बाद से पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी।

पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

घायल आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया और इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपी के पास से कट्टा और कारतूस और स्कूटी को बरामद कर लिया है। पकड़े गए आरोपी पर पहले से ही कई गंभीर धाराओं में मुकदमें दर्ज हैं। एसिड अटैक केस में उसकी तलाश की जा रही थी। मुठभेड़ में घायल होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने क्या कहा?

पुलिस का कहना है कि आरोपी पर कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ की जाएगी। अभी उसका इलाज कराया जा रहा है। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई ती जाएगी। वहीं एसिड अटैक पीड़िता अभी भी उपचाराधीन है और उसकी हालत पर डॉक्टर लगातार नजर रखे हुए हैं।

शरद कालीन गन्ना बुबाई हेतु गन्ना समिति गोण्डा मे गोष्ठी संपन्न

आर्यावर्त संवाददाता

अलावल देवरिया। सट्टा प्रदर्शन मेला के अंतिम दिन शुक्रवार को कृभको के सौजन्य से गन्ना समिति गोण्डा मे शरद कालीन गन्ना बुवाई हेतु विशेष प्रचार अभियान के तहत एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे उप गन्ना आयुक्त देवीपाटन, जिला गन्ना अधिकारी गोण्डा, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गोण्डा, सचिव गन्ना समिति गोण्डा , कुंदरखी चीनी मिल के उप प्रबंधक (गन्ना), राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक एवं चीनी मिल के गन्ना विकास अधिकारी उपस्थित रहे । शरद कालीन बुवाई हेतु विशेष प्रचार अभियान के तहत आयोजित किसान गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए उप गन्ना आयुक्त देवीपाटन मंडल डॉ.आर.बी.राम ने उपस्थित कृषकों को स्वीकृत प्रजातियों के गन्ने की ही बुवाई करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसान भाई नवीन स्वीकृत प्रजातियों जैसे-को.0118, को.लख.14201,को.शा.17231,को.शा.18231, को.शा.13235 ,को.लख.16202 आदि की ही बुवाई करें। जिला गन्ना अधिकारी गोण्डा सुनील कुमार सिंह ने किसानो को स्वीकृत प्रजातियों की ही बुवाई करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि स्वीकृत प्रजातियों के प्लॉटों का चयन करके उनको आरक्षित किया गया है ,साथ ही विभागीय पौधशालाओं से भी पर्याप्त मात्रा मे बीज उपलब्ध है । बीज के लिए आप अपने क्षेत्रीय गन्ना पर्यवेक्षक या चीनी मिलकर्मी से सम्पर्क कर सकते है। कृभको के जिला प्रतिनिधि अनुराग शुक्ला ने कृभको के उत्पादों के बारे बिस्तार से बताया। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक गोण्डा सुनील कुमार शुक्ल ने दो आँख के टुकड़ो को वीज उपचार करके, के उपरांत ही उचित दूरी पर बोने की सलाह दी।

मिशन शक्ति अभियान की प्रेरक कहानी, यूपी पुलिस ने तीन दिन में खोए 12 लोगों को अपनों से मिलाया

आर्यावर्त संवाददाता

बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत पिछले तीन दिनों में 12 (गुमशुदा, भटके) बच्चे, बालिकाओं और महिलाओं को अपनी मंजिल तक पहुंचाया गया है। पुलिस ने सभी गुमशुदा को उनके परिजनों को सौंपा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश में पूरे प्रदेश में मिशन शक्ति 5.0 अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत गुमशुदा लोगों की बरामदगी के लिये सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान लखनऊ के जानकीपुरम में 3 वर्ष की एक बच्ची को उनके परिजनों को सौंपी। इसी तरह अमरोहा के थाना गजरौला में एक बच्चे, बरेली थाना के भमोरा के गाँव खेड़ा की 6 वर्षीय बच्ची, बलरामपुर के थाना रेहरा बाजार में भटकती एक बच्ची, पीलीभीत के थाना के काशीराम कॉलोनी से गायब एक एक बेटी और मुरादाबाद थाना नागफनी की पुलिस टीम को भ्रमण के दौरान रामलीला मैदान के पास एक गुमशुदा बच्चा पाया गया। बच्चा को परिजनों को सौंपा गया।

मऊ में 3 नाबालिग बच्चियों को उनके परिजनों को सौंपा

डीजीपी ने बताया कि बरेली के थाना हाफिजगंज के तहत एक बुजुर्ग महिला गुलशन, संतकबीरनगर के थाना धनघटा के तहत पीड़िता ज्ञानवती देवी पत्नी राहुल राव घरेलू वाद-विवाद और पैसों के लेन-देन को लेकर तनाव की स्थिति में अपने घर से अपनी छोटी बच्ची को लेकर विडहरघाट पुल पर चली गई। पीड़िता ने बच्ची को पुल पर छोड़कर खुद नदी में कूदने का प्रयास किया। पुलिस ने पीड़िता को समझा-बुझाकर नदी में कूदने से रोक लिया और सुरक्षित चौकी ले जाकर पीड़िता और बच्ची को परिजनों को सौंपा।

बलिया में 2 नाबालिग लड़कियों को परिजनों को सौंपा

बलिया के थाना बांसडीहरोड में परिजनों से नाराज होकर बिना बताये घर छोड़कर जा रही 2 नाबालिग लड़कियों को बरामद कर उनके परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया। बस्ती के महिला थाना की प्रभारी निरीक्षक डॉ शालिनी सिंह को एक महिला रेलवे स्टेशन पर एक संदिग्ध अवस्था में महिला घूमती हुई मिली। महिला को परिजनों सौंपा गया। महराजगंज के थाना कोतवाली के अंतर्गत दो बेटियां उम्र 5 वर्ष व उम्र 10 वर्ष, मऊ के थाना दोहरीघाट के अंतर्गत 3 नाबालिक बच्चियों को उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के तहत विकासखंड उझानी के अब्दुल्लागंज स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर शुक्रवार को विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) रागिनी सैनी की देखरेख में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ ही बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं उपस्थित रहीं।

पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रसव पूर्व जांच और स्तनपान के फायदे विस्तार से बताये गए। डायरिया से बचाव और नियन्त्रण के बारे में भी जानकारी दी गयी। स्वस्थ जीवन के लिए हाथों की सही तरीके से स्वच्छता और सही खानपान के बारे में भी बताया गया। इस अवसर पर तीन महिलाओं की प्रसव पूर्व जाँच की गयी और 22 महिलाओं को परामर्श प्रदान किया गया। इस मौके पर आशा कार्यकर्ता ज्योति, सोनम, अनीता, कमलेश, यशोदा और रुमाली, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संतोष कुमारी, नीलू व विनीश बाला आदि उपस्थित रहीं। पीएस आई इंडिया से शशांक दुबे और दानिश वर मौजूद रहे।

अब दिल्ली जाने की जरूरत नहीं, नोएडा से देहरादून और आगरा के लिए मिलेंगी इलेक्ट्रिक एसी बसें

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून, हरिद्वार और आगरा के लिए इलेक्ट्रिक एसी बसें शुरू की गई हैं। नोएडा से अब तक देहरादून और हरिद्वार के लिए कोई भी इलेक्ट्रिक बस नहीं चलाई जा रही थी। अब लोगों के सामने सुविधाजनक और पर्यावरण अनुकूल परिवहन का विकल्प मौजूद होगा। लोग आराम से सफर कर पाएंगे। नोएडा सेक्टर-37 से इलेक्ट्रिक एसी बसें शुक्रवार से चलेंगी।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा में एक्सपो मार्ट से नई इलेक्ट्रिक एसी बसों को हरी झंडी दिखाई। मंत्री दयाशंकर सिंह के हरी झंडी दिखाने के बाद बसें रवाना हो गईं। बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने से पहले परिवहन मंत्री ने पारंपरिक रूप से उनकी पूजा-अर्चना की। नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। परिवहन मंत्री एक्सपो मार्ट में परिवहन विभाग के स्टॉल पर गए।

इलेक्ट्रिक वाहन प्रदर्शनी का अवलोकन किया

दयाशंकर सिंह ने वहां प्रदर्शित सेवाओं की तारीफ की। इसके अलावा परिवहन मंत्री पुलिस विभाग, एमएसएमई, चिकित्सा, पंजाब एंड सिंध बैंक, रोडवेज और अन्य स्टॉलों पर भी गए। उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहन प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जो 10,000 वर्ग फीट में फैली है। यहां नई टेक्नॉलाजीज और पर्यावरण अनुकूल वाहनों को प्रदर्शित किया गया।

नोएडा संभाग में सात इलेक्ट्रिक बसें पंजीकृत हो चुकी हैं

कार्यक्रम के समापन पर मंत्री दयाशंकर सिंह ने इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। अधिकारियों ने बताया कि भारत सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन प्रोत्साहन नीति के तहत नोएडा संभाग में सात इलेक्ट्रिक बसें पंजीकृत हो चुकी हैं। वहीं स्थानीय लोगों ने नोएडा से देहरादून, हरिद्वार और आगरा के लिए इलेक्ट्रिक बसें चलाने पर खुशी जाहिर की। यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। साथ ही यात्रियों के लिए आधुनिक और सुविधाजनक परिवहन की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

अयोध्या वाला मॉडल लखनऊ समेत इन स्टेशनों पर भी लागू, बिना लाइन में लगे मिलेगा टिकट

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। रेल यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन, वाराणसी और प्रयागराज स्टेशनों पर टिकट काउंटर के बाहर लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा। उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए मोबाइल अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम (एम-यूटीएस) शुरू करने का फैसला किया है। अधिकारियों का कहना है कि इससे पहले अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को संभालने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई थी, जिसके बेहद अच्छे नतीजे सामने आए थे। इस सिस्टम के तहत रेलकर्मी प्लेटफॉर्म पर घूम-घूमकर यात्रियों के लिए अनारक्षित टिकट बनाएंगे। यह सुविधा खासकर दशहरा, दीपावली और छठ जैसे त्योहारी सीजन में यात्रियों के लिए वरदान साबित होगी, जब स्टेशनों पर भीड़ बढ़ जाती है। उत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) कुलदीप तिवारी ने बताया कि पहले चरण में चारबाग, अयोध्या और वाराणसी स्टेशनों पर 10-10 एम-यूटीएस मशीनें और प्रयागराज जंक्शन पर 5 मशीनें उपलब्ध कराई जाएंगी। ये मशीनें रेलकर्मियों को सौंपी जाएंगी, जो यूनिफॉर्म में प्लेटफॉर्म पर यात्रियों के लिए टिकट बनाएंगे। इस सुविधा का प्रचार-प्रसार बैनर और पोस्टर के जरिए किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक यात्री इसका लाभ उठा सकें।

क्या है एम-यूटीएस?

एम-यूटीएस एक हल्का और पोर्टेबल उपकरण है, जो रोडवेज बसों में टिकट बनाने वाली मशीनों की तरह काम करता है। यह वायरलेस डिवाइस रेलकर्मियों को आसानी से टिकट बनाने की सुविधा देता है। यात्री नकद के अलावा यूपीआई के जरिए भी भुगतान कर सकेंगे। यह व्यवस्था यात्रियों को काउंटर पर लंबी कतारों में खड़े होने की परेशानी से बचाएगी।

पहले भी मिली थी सफलता

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, एम-यूटीएस का प्रयोग पहले भी सफल रहा है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए इस व्यवस्था को लागू किया गया था, जिसके शानदार परिणाम मिले। इसी तरह प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान भी एम-यूटीएस के जरिए टिकट बनाए गए थे। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा हुई, बल्कि रेलवे को भी अच्छा राजस्व प्राप्त हुआ।

त्योहारों पर विशेष तैयारी

त्योहारी सीजन में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। चारबाग स्टेशन पर पहले से ही ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन अब त्योहारों के मद्देनजर एटीवीएम पर फेसिलिटेटरों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। ये फेसिलिटेटर 24 घंटे यात्रियों की मदद के लिए तैनात रहेंगे। यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहतउत्तर रेलवे के इस कदम से न केवल यात्रियों का समय बचेगा, बल्कि टिकट खरीदने की प्रक्रिया भी आसान और त्वरित होगी। खासकर त्योहारी सीजन में जब स्टेशनों पर भीड़ बढ़ जाती है, एम-यूटीएस यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगा। रेलवे का यह नवाचार न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में भी मदद करेगा।

रिकॉर्ड तोड़ डेंगू के मामलों से कांप रहा पड़ोसी देश, भारत में भी खतरे की घंटी

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में डेंगू की स्थिति खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इस साल यहां 49 हजार से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। भारत में भी हर साल डेंगू के मामले बरसात और उसके बाद के महीनों में तेजी से बढ़ते हैं। इसके खतरे को लेकर अलर्ट किया जाता रहा है।

सितंबर-अक्तूबर यानी मानसून के बाद का ये समय, मौसम के लिहाज से काफी राहत वाला होता है। हालांकि यही मौसम मच्छर जनित बीमारियों का भी समय होता है। बरसात के बाद जगह-जगह जमा पानी मच्छरों की नर्सरी बन जाता है। डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे मच्छर जनित रोग हर साल इस मौसम में दस्तक देते हैं और लोगों की सेहत को गहरी चोट पहुंचाते हैं। अस्पतालों में बढ़ती भीड़ और बुखार से तपते मरीजों की संख्या इसका सबूत है। भारत में हर साल सितंबर-अक्तूबर में डेंगू-मलेरिया का खतरा देखा जाता रहा है।

हालिया रिपोर्ट पड़ोसी देश बांग्लादेश को लेकर है, जहां मच्छरों के कारण होने वाली बीमारियों का व्यापक प्रकोप देखा जा रहा है। खबरों के मुताबिक बांग्लादेश में डेंगू के मामलों में तेजी से उछाल देखने को मिल रहा है। कई स्थानों से चिकनगुनिया को लेकर भी डराने वाली रिपोर्ट्स सामने आ रही हैं।

बांग्लादेश में डेंगू की स्थिति खतरनाक स्तर पर पहुंची

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश में डेंगू की स्थिति खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बीते दिनों यहां एक ही दिन में ही करीब 12 मौतों की पुष्टि की है, जो इस सीजन में अब तक की सबसे अधिक संख्या है। जनवरी से देशभर में डेंगू से मरने वालों की संख्या बढ़कर 180 से अधिक हो गई है।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने पिछले 24 घंटे के दौरान 700 नए रोगियों को अस्पताल में भर्ती होने की सूचना दी, जिससे इस वर्ष कुल पुष्ट मामलों की संख्या 49 हजार के करीब हो गई। अधिकारियों ने इलाज में देरी को डेंगू के कारण बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार ठहराया है। जुलाई-अगस्त के महीनों में बांग्लादेश में चिकनगुनिया का भी प्रकोप देखा गया है।

भारत में भी अलर्ट रहने की जरूरत

भारत में हर साल डेंगू के मामले बरसात और उसके बाद के महीनों में तेजी से बढ़ते हैं। इसका एक बड़ा कारण है लोगों की लापरवाही, विशेषतौर पर खुले में जमा पानी मच्छरों के प्रजनन के सबसे अनुकूल माना जाता है। जिन स्थानों पर जलजमाव अधिक होता है वहां मच्छरों के कारण होने वाली बीमारियों का खतरा भी अधिक हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को डेंगू से बचाव वाले तरीकों का पालन करने की सलाह देते हैं।

दिल्ली में डेंगू के साथ मलेरिया का भी बढ़ता खतरा

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अब तक दिल्ली में डेंगू-मलेरिया दोनों का खतरा अधिक देखा जा रहा है। मलेरिया के मामले साल 2024 में इसी अवधि की तुलना में अधिक दर्ज किए गए हैं। 20 सितंबर तक शहर भर में कुल 333 मामले दर्ज किए गए, पिछले वर्ष इसी अवधि में 309 मामले सामने आए थे।

नगर निगम ने डेंगू के मामलों में भी लगातार वृद्धि दर्ज की है, दिल्ली भर में 685 मामले सामने आए हैं। हालांकि, एमसीडी के आंकड़ों के अनुसार, यह संख्या पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में कम है। इनमें से 52 मामले एमसीडी जोन से, 12 दिल्ली छावनी से और रेलवे तथा एनडीएमसी से एक-एक मामले सामने आए। दिल्ली के साथ एनसीआर के क्षेत्रों में भी डेंगू-मलेरिया के मामलों में वृद्धि रिपोर्ट की जा रही है।

मच्छर जनित रोगों से करें बचाव

अमर उजाला से बातचीत में पश्चिमी दिल्ली स्थित एक अस्पताल में इंटेंसिव केयर यूनिट के डॉक्टर सौरभ जोशी बताते हैं, रोजाना ओपीडी में आ रहे मरीजों में मच्छर जनित रोगों के मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। जिन रोगियों को कुछ दिनों से बुखार, शरीर दर्द के साथ त्वचा पर लाल चकते दिख रहे हैं उन्हें एहतियातन खून की जांच कराने की सलाह दी जा रही है।

आप कुछ बातों का ध्यान रखकर इन बीमारियों से बच सकते हैं।

इसके लिए घर के आसपास (कूलर, बर्तन, गमले) पानी इकट्ठा न होने दें।मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनें, मच्छरदानी और रिपेलेंट का प्रयोग करें।

सुबह-शाम घर के कोनों में कीटनाशक छिड़कें। इसके अलावा बुखार आने पर या फिर सामान्य दवाओं से आराम न मिले तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

बाइक राइड ही नहीं... लेह-लद्दाख में घूमने के लिए है बहुत कुछ, इन जगहों को करें एक्सप्लोर

लेह-लद्दाख एक बेहद खूबसूरत ट्रैवल डेस्टिनेशन है। हालांकि, जब भी लद्दाख का नाम लिया जाता है तो सबसे पहले बाइक राइड का ही ख्याल आता है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, सुनसान सड़के और शांत माहौल में बाइक राइड का अपना अलग ही मजा है। बाइक लवर्स एक न एक बार बाइक राइड के लिए लेह-लद्दाख जरूर जाना चाहता है। लेकिन क्या लद्दाख में सिर्फ रोड ट्रिप ही की जाती है? जी नहीं...लद्दाख सिर्फ बाइक राइड ही नहीं बल्कि बहुत कुछ एक्सप्लोर किया जा सकता है।

लद्दाख रोमांच, संस्कृति, इतिहास और प्राकृतिक खूबसूरती का मिश्रण है। यहां खतरनाक ट्रैक और कई एडवेंचर स्पोर्टस का मजा लिया जा सकता है। चाहे आप नेचर लवर हो, फोटोग्राफी के शौकीन हो या फिर सुकून के पल बिताना चाहते हो। लेह-लद्दाख में आपको सब कुछ मिलेगा। चलिए इस आर्टिकल में जानते हैं लेह की कुछ हिडेन जगहों के बारे में और आप यहां क्या-क्या एक्सप्लोर कर सकते हैं।

तुरतुक को जरूर करें एक्सप्लोर

तुरतुक लेह लद्दाख का एक बेहद खूबसूरत और छिपी हुई जगह है। ये एक छोटा सा गांव है, जो समुद्र तल से करीब 9 हजार से भी ज्यादा ऊंचाई पर बसा हुआ है। इतनी ऊंचाई से आपको एक अद्भुत नजारा देखने का मौका मिलता है। ऐसा भी कहा जाता है कि, ये गांव सियाचिन ग्लेशियर के प्रवेश द्वारों में से एक है। यहां घूमने से आपको एक अलग ही एक्सपीरियंस मिलेगा।

सबसे खूबसूरत गांव हानले

हानले गांव अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। यहां आना किसी सपने से कम नहीं है। यहां आपको बर्फ से ढके पहाड़, आसमान में चमकते तारे और एक मनमोहक नाजारा इसे और भी दिलकश बनाता है। यही वजह है कि इस गांव को भारत का सबसे खूबसूरत गांव कहा जाता है। यहां आकर आप दुनिया के सबसे ऊंचे मठ को भी देख सकते हैं।

पैंगोग झील का देखें नजारा

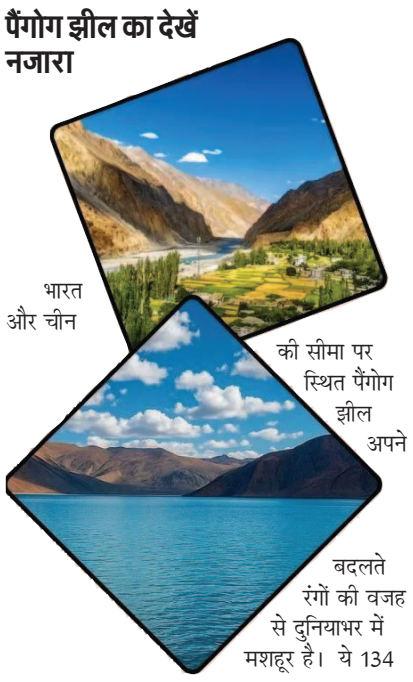

भारत और चीन की सीमा पर स्थित पैंगोग झील अपने बदलते रंगों की वजह से दुनियाभर में मशहूर है। ये 134 किलोमीटर तक फैली हुई है। अलग-अलग समय पर आपको इस झील का रंग अलग-अलग दिखेगा। नीला पानी, बर्फ से ढकी पहाड़ियां एक अद्भुत नजारा पेश करते हैं। झील की सुंदरता को देखने के अलावा आप यहां कैंपिंग और फोटोग्राफी का आनंद ले सकते हैं।

जांस्कर वैली भी है अच्छा ऑप्शन

बाइक राइड के अलावा आप लद्दाख में राफ्टिंग का मजा भी ले सकते हैं। इसके लिए सबसे बेस्ट जगह है जांस्कर वैली। यहां राफ्टिंग का लुत्फ उठाया जा सकता है। इसके अलावा आप झील के क्रिस्टल क्लियर पानी और हसीन वादियों की खूबसूरती को निहार सकते हैं। इस दौरान आप थुकपा, मोमोस और तिब्बितियन ब्रेड का स्वाद चख सकते हैं।

खरदुंगा ला में करें ट्रैकिंग

खरदुंगा ला बेस्ट टूरिस्ट प्लेस में से एक है। ये नुब्रा और श्योक घाटियों का अंतिम प्रवेश द्वार है। यहां आप कई एडवेंचर एक्टिविटी कर सकते हैं। खरदुंगा ला एक मस्ट विजिट जगह है। हालांकि, यहां आपको खाने के लिए कुछ नहीं मिलेगा। इसलिए हाइकिंग पर जाएं तो खाने-पीने का सामान साथ ले जाना न भूलें।

कच्चे या पके... किस दूध की चाय ज्यादा टेस्टी बनती है?

चाय बनाने के लिए दूध बहुत जरूरी इंग्रिडियंट है। दूध चाय को एक अच्छा कलर, स्वाद और टेक्सचर देता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कच्चे या पके किस तरह के दूध की चाय ज्यादा स्वादिष्ट बनती हैं। चलिए आज आपको इस आर्टिकल में देते हैं इस सवाल का जवाब।

भारत में चाय के दीवाने आपको हर जगह मिल जाएंगे। ज्यादातर लोग सुबह की शुरुआत चाय के साथ करते हैं। कुछ लोग तो दिन में 4-5 बार चाय की चुस्की लेते हैं। हर किसा का अपना टेस्ट होता है, ऐसे में वो अपने स्वाद के अनुसार चाय बनाते हैं। किसी को फीकी चाय पसंद होती है। तो कोई बहुत मीठी चाय पीना पसंद करता है। हालांकि, चाय का स्वाद इसे बनाने के तरीके पर भी निर्भर करता है। कोई सिर्फ दूध की चाय बनाता है तो कोई दूध और पानी को मिलाकर चाय तैयार करता है।

दूध का चाय में अहम रोल है। दूध चाय को एक अच्छा कलर, टेक्सचर और टेस्ट देता है। घरों में तो अमूमन पक्के दूध की चाय बनती है। लेकिन चाय की दुकानों और टपरियों पर बिना दूध को पकाए ही चाय बनाई जाती है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि पके या कच्चे किस दूध से बनी चाय ज्यादा स्वादिष्ट होती है। इस आर्टिकल में हम आपको इसका जवाब देना चाहते हैं।

पके या कच्चे, किस दूध की चाय बनती है ज्यादा टेस्टी?

आप चाय बनाने के लिए किस तरह के दूध का इस्तेमाल कर रहे इसका कुछ बहुत असर चाय के स्वाद पर पड़ता है। आज कल अमूमन लोग पैकेट वाले दूध का ही इस्तेमाल करते हैं, जो की पहले से ही पका हुआ होता है, जिसे पाश्चुरीकृत दूध कहा जाता है। लेकिन जब घर में पैकेट वाला दूध आता है तो अमूमन महिलाएं उसे उबालती जरूर हैं। साथ ही पानी की भी मिलावट करती हैं। उबालने के बाद ही इसका इस्तेमाल चाय और बाकी चीजों में किया जाता है। ऐसे में दूध 2 बार पक जाता है, जिससे इसका टेक्सचर खराब हो जाता है। पानी मिलाने से दूध और पतला हो जाता है। वहीं, अगर आप पैकेट वाले दूध को दोबारा न पकाया जाए तो इसका गाढ़ा टेक्चसर बना रहता है। फिर जब इस दूध की चाय बनती है तो उसके गाढ़े टेक्सचर की वजह से चाय का रंग, स्वाद और टेक्सचर काफी अच्छा आता है। हालांकि, अगर आप पके दूध में पानी न मिलाकर चाय बनाएं तो भी एक स्वादिष्ट चाय बना सकते हैं।

चाय बनाने का सही तरीका क्या है?

वैसे तो चाय को लोग अपने-अपने तरीके से बनाते हैं। बहुत कम लोग ही चाय बनाने का सही तरीका जानते हैं। हालांकि, ब्रिटिश स्टैंडर्ड इंस्टिट्यूशन (BSI) ने चाय बनाने का सही तरीका बताया है। इस रिसर्च के मुताबिक, चाय बनाने के लिए आपको 2 बर्तन चाहिए। एक बर्तन में आपको दूध उबालना है और दूसरे बर्तन में चाय के लिए पानी चढ़ाएं। आपने जितना दूध लिया है उतना ही पानी लेना है। पानी गर्म होने पर उसमें चायपत्ती डालें, कम मात्रा में चीनी एड करें। अब चाय को अच्छे से उबलने दें और फिर अपने स्वाद के मुताबिक चीनी को और बढ़ा लें। आप चाहें तो इसमें अदरक, लौंग या फिर इलाचयी भी डाल सकते हैं। दूसरी तरफ उबल रहे दूध को चाय में मिलाएं। एक उबाल आने पर चाय को छान लें। इससे आपकी चाय बहुत स्वादिष्ट बनेगी। बताते चलें कि, चाय और दूध को एक साथ बहुत ज्यादा समय के लिए उबालना नहीं चाहिए। अगली बार चाय बनाने के लिए आप ये तरीका अपना सकते हैं।

कितनी तरह की होती है चाय?

चाय कई तरह की होती हैं, जैसे ब्लैक टी, ग्रीन टी, ऑलॉन्ग टी , हर्बल टी और माचा टी। हर चाय को बनाने का अपना अलग तरीका और इंग्रिडियंट्स होते हैं। इन चाय के अपने फायदे भी होते हैं। ग्रीन टी को वजन कंट्रोल करने के लिए पिया जाता है। वहीं, ब्लैक टी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है, जो हार्ट हेल्थ और ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए फायदेमंद है। वहीं, अब तो माचा टी को भी बहुत पसंद किया जा रहा है, जो न्यूट्रिशन से भरपूर है और शरीर को अनगिनत फायदे देती है।

अस्पताल ले जाना भूल गए हैं आयुष्मान कार्ड, तो क्या नहीं होगा मुफ्त इलाज?

आयुष्मान कार्ड एक ऐसा कार्ड है जिससे आप सालाना 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकते हैं।

केंद्र सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं उनसे करोड़ों की संख्या में लाभार्थी जुड़े हैं और योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इसमें घर बनवाने से लेकर सब्सिडी और कई तरह की आर्थिक मदद देने जैसी योजनाएं शामिल हैं। इसी तरह राज्य सरकारें भी अपने-अपने प्रदेशों में कई तरह की लाभकारी और कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं।

अब जैसे, अगर आप केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को ही ले लीजिए। इस योजना के तहत पात्र लोगों को मुफ्त इलाज देने का काम किया जाता है। इसके लिए पहले लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाते हैं। फिर इसी आयुष्मान कार्ड से कार्डधारक अपना मुफ्त इलाज करवा सकता है, लेकिन जरा सोचिए कि अगर आप आयुष्मान कार्ड को अपने साथ ले जाना भूल गए हैं, तो क्या आपको मुफ्त इलाज का लाभ नहीं मिलेगा? तो चलिए जानते हैं क्या कहता है नियम।

पहले जानते हैं आयुष्मान कार्ड की लिमिट

जो भी लोग आयुष्मान कार्ड बनवाते हैं उन्हें इस कार्ड में 5 लाख रुपये की सालाना लिमिट दी जाती है यानी आप साल भर में 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकते हैं। हर वित्तीय वर्ष में केंद्र सरकार द्वारा ये तय लिमिट आयुष्मान कार्डधारकों के काड्र्स में डाली जाती है।

भूल गए हैं आयुष्मान कार्ड तो कैसे करवाएंगे इलाज

आपके साथ हो सकता है कि आप अपने साथ अस्पताल आयुष्मान कार्ड ले जाना भूल जाएं। ऐसे में अगर आयुष्मान मित्र हेल्प डेस्क पर मौजूद अधिकारी आपको मुफ्त इलाज देने से मना करता है, तो आप जान लें कि आप ऐसी स्थिति में भी मुफ्त इलाज का लाभ ले सकते हैं।

आपको करना ये है कि आयुष्मान मित्र हेल्प डेस्क पर जब आपसे आयुष्मान कार्ड मांगा जाए तो आप उन्हें बताएं कि आपका आयुष्मान कार्ड घर पर रह गया है और आप अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर (जो आयुष्मान कार्ड से लिंक) उन्हें बताएं। इस मोबाइल नंबर से आपका सत्यापन हो जाता है और फिर चाहें तो आयुष्मान कार्ड मंगवा सकते हैं। अगर आपका आयुष्मान कार्ड गुम हो जाता है, तब भी आप रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बताकर मुफ्त इलाज का लाभ ले सकते हैं।

कौन लोग बनवा सकते हैं आयुष्मान कार्ड

आपको अगर आयुष्मान कार्ड बनवाना है तो जान लें कि जो लोग असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जो लोग गरीब वर्ग से आते हैं, जो पीएफ के सदस्य नहीं हैं, जो ईएसआईसी का लाभ नहीं लेते हैं आदि। ये लोग इस योजना के लिए पात्र होते हैं। आप योजना की आधिकारिक वेबसाइट https://beneficiary.nha.gov.in/ पर जाकर भी ये चेक कर सकते हैं कि आप इस योजना के लिए पात्र हैं या नहीं।

2025 का फेस्टिव सीजन 2 लाख तक रोजगार के अवसर कर सकता है पैदा: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 का फेस्टिव सीजन 2 लाख तक नए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है, जिनमें से 70 प्रतिशत गिग वर्क होने की उम्मीद है। यह जानकारी गुरुवार को आई एक रिपोर्ट में दी गई। एनएलबी सर्विसेज की रिपोर्ट बताती है कि भारत की फेस्टिव इकोनॉमी हमेशा से उपभोक्ता खर्च को बढ़ाने में अहम रही है और 2025 में सीजनल डिमांड किस तरह रोजगार मॉडल को आकार दे रहा है, इसमें एक संरचनात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

इस वर्ष की शुरुआत में शुरू हुआ फेस्टिव सीजन रिटेल, ई-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स और कंज्यूमर सर्विसेज जैसे प्रमुख क्षेत्रों में 2 लाख तक नौकरियां पैदा कर सकता है। त्योहारी अवधि के दौरान भर्ती पिछले साल की तुलना में लगभग 20-25 प्रतिशत बढ़ सकती है। सप्लाई चेन और लास्ट-माइल डिलीवरी इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े निवेश के कारण क्विक कॉमर्स और थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्र इस बढ़त को गति दे रहे हैं। नई नौकरियों में से 70 प्रतिशत गिग वर्क होने की उम्मीद है, जबकि 30 प्रतिशत स्थायी नौकरियां होंगी, जिससे पता चलता है कि कंपनियां फ्लेक्सिबिलिटी और स्केल को संतुलित करने के लिए एक ब्लेंडेड वर्कफोर्स मॉडल अपना रही हैं।

एनएलबी सर्विसेज के सीईओ सचिन अलुग ने कहा, 35 प्रतिशत से अधिक व्यवसाय अब अपनी दीर्घकालिक प्रतिभा रणनीति के एक घटक के रूप में फेस्टिव हायरिंग पर फिर से विचार कर रहे हैं। हम देख रहे हैं कि कंपनियां प्री-फेस्टिव स्किलिंग पहल में निवेश कर रही हैं, अपने वर्कफोर्स डायवर्सिटी के लक्ष्यों पर फिर से विचार कर रही हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट में बताया गया है कि कई बड़े क्यू-कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेयर्स फेस्टिव सीजन के बाद भी इस बढ़े हुए वर्कफोर्स का 26 प्रतिशत हिस्सा बनाए रखेंगे, जो एक संरचनात्मक बदलाव की ओर इशारा करता है।

टियर 2 और टियर 3 शहरों में भी भर्ती में काफी बढ़ोतरी होगी, जो एक्टिव ग्रोथ सेंटर के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत कर सकते हैं।भुवनेश्वर, कोच्चि, इंदौर, सूरत और नागपुर जैसे शहरों में गिग वर्क में 30-40 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। इन शहरों के रिटेल और ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए माइक्रो-फुलफिलमेंट हब के रूप में उभरने के साथ, पिछले फेस्टिव सीजन में टियर 2 शहरों में कुल गिग हायरिंग का 47 प्रतिशत हिस्सा था। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 26 में 50 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। अलुग ने कहा, हालांकि, बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली जैसे मेट्रो शहर वॉल्यूम के मामले में मांग में आगे बने हुए हैं, असली ग्रोथ का रुझान स्पष्ट रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों की ओर बढ़ रहा है, जहां टैलेंट की सप्लाई मजबूत है और ऑपरेशनल लागत कम है।

त्योहारी सीजन से पहले खुशखबरी, लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में अगर आप भी सोने या चांदी के आभूषण खरीदने या इसमें निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए एक बड़ी राहत की खबर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती और बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के चलते गुरुवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियों के कारण सोने की कीमतों पर दबाव बना है। जब डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य मुद्राओं में सोने की खरीद महंगी हो जाती है, जिससे मांग घटती है। इसके साथ ही, बॉन्ड यील्ड (बॉन्ड पर मिलने वाला

रिटर्न) में आई तेजी ने निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश के तौर पर बॉन्ड की तरफ बढ़ाया है, जिससे सोने की मांग में अस्थायी रूप से कमी आई है। इस वैश्विक गिरावट का सीधा असर भारतीय सर्राफा बाजारों पर भी देखने को मिल रहा है। आज देश के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु में 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने की कीमतों में गिरावट आई है। यह गिरावट खरीदारों के लिए एक अच्छा मौका है, क्योंकि हाल के दिनों में सोने की कीमतें काफी ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रही थीं।

डोनाल्ड ट्रंप से मीटिंग में शहबाज शरीफ ने अपने ही विदेश मंत्री की घोर बेइज्जती की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात से विदेश मंत्री इशाक डार गायब दिखे। वो भी तब, जब डार अमेरिका में ही मौजूद हैं। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम डार के पास विदेश विभाग का जिम्मा है, लेकिन शहबाज-ट्रंप की बैठक से उन्हें बाहर रखा गया। डार की जगह बैठक में सेना प्रमुख आसिम मुनीर शामिल हुए।

दूसरी तरफ ट्रंप के साथ इस मीटिंग में उप राष्ट्रपति जेडी वेंस और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो शामिल थे। बैठक में कई द्विपक्षीय मुद्दों को लेकर चर्चा होने की बात कही गई। शहबाज और ट्रंप की मुलाकात ऐसे वक्त में हुई है, जब पाकिस्तान के पड़ोसी अफगानिस्तान के बगराम पर अमेरिका की नजर है।

ट्रंप और शहबाज की मीटिंग यूएन जनरल असेंबली से इतर जाकर हुई। यह बैठक दोनों देशों के बीच बिजनेस डील को लेकर बुलाई गई थी। बैठक में विदेश मंत्री का होना जरूरी थी, लेकिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री उन्हें लेकर नहीं गए। शहबाज सिर्फ मुनीर के साथ व्हाइट हाउस पहुंचे।

कहा जा रहा है कि बैठक में अगर डार जाते तो व्हाइट हाउस प्रोटोकॉल के मुताबिक प्रधानमंत्री के बगल में डार को बैठाना पड़ता, जिसको लेकर मुनीर असहज हो सकते थे। हाल ही में दोहा से एक वीडियो सामने आया था, जिसमें मुनीर को बैठाने के लिए डार कुर्सी से उठ गए। इशाक डार शहबाज शरीफ के साथ राजनीति में आए थे। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के सीनियर नेता हैं। पाकिस्तान में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी पर रह चुके हैं। कई बार कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। पाकिस्तान सरकार के पदानुक्रम के मुताबिक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के बाद इशाक डार ही हैं। डार को कैबिनेट में उप प्रधानमंत्री का भी दर्जा प्राप्त है, लेकिन मुनीर का जैसे-जैसे कद बढ़ रहा है। डार साइड लाइन होते जा रहा है। व्हाइट हाउस प्रकरण ने डार के आगामी भूमिका को लेकर भी सवाल उठा दिया है।

आसिम मुनीर पाकिस्तान के सेना प्रमुख हैं। पहले भी कई सेना प्रमुख हुए हैं, लेकिन व्हाइट हाउस में उसका आना-जाना काफी कम रहा है। ऐसे में मुनीर जिस तरीके से व्हाइट हाउस में बार-बार जा रहे हैं, उसके पीछे के मायने निकाले जा रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति सीधे उन लोगों से डील कर रहे हैं, जो उनके काम को आसान कर सके। इसी कवायद के तहत व्हाइट हाउस पाकिस्तान मसले में मुनीर से संपर्क करता है। ट्रंप की नजर पाकिस्तान में जहां व्यापार पर है। वहीं उसके पड़ोस में बगराम एयर बेस पर भी अमेरिका कब्जा जमाना चाहता है।

मैं इजराइल को ऐसा नहीं करने दूंगा... नेतन्याहू के प्लान से ट्रंप हो गए नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली नेताओं की ओर से दी गई वेस्ट बैंक एनेक्स करने की धमकी पर गुस्सा जाहिर किया है। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक ओवल ऑफिस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा, "मैं इजराइल को वेस्ट बैंक पर कब्जा नहीं करने दूंगा, मैं इसकी इजाजत नहीं दूंगा। ऐसा नहीं होगा।"

ट्रंप की यह प्रतिक्रिया तब आई जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने इस हफ़्ते संयुक्त राष्ट्र में एक बैठक के दौरान अरब नेताओं से वादा किया था कि आप किसी भी तरह के कब्जे को रोकेंगे। बता दें, इस बैठक के बाद तुर्की के राष्ट्रपति एर्दुआन ने कहा था कि ट्रंप के साथ उनकी मीटिंग अच्छी रही है। अब ट्रंप का ये बयान अरब नेताओं की एक बड़ी

जीत माना जा रहा है। बता दें, अरब और मुस्लिम देशों के नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी और उनसे गाजा में युद्ध खत्म करने का आग्रह किया था।

क्या इजराइल पर बनेगा दबाव?

इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिलिस्तीनी राज्य ना बनने की कसम खाई है और उनके मंत्रिमंडल के दक्षिणपंथी सदस्यों ने कई पश्चिमी देशों द्वारा हाल ही में फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता दिए जाने के जवाब में वेस्ट बैंक पर कब्जा करने की धमकी दी है। पहले से इजराइल वेस्ट बैंक में अपनी कार्रवाइयों को बढ़ा रहा है। ट्रंप के इस बयान के बाद उम्मीद की जा रही है कि नेतन्याहू पर दबाव बढ़ सकता है। हालांकि अमेरिका की इजराइल को सैन्य और कूटनीतिक मदद जारी है। अरब नेताओं के साथ भी ट्रंप ने वेस्ट बैंक पर इजराइल के कब्जा न करने का वादा किया है, लेकिन गाजा युद्ध रुकवाने को लेकर ट्रंप की ओर से कोई ठोस बात नहीं की गई है।

इजराइल के नेताओं से जल्द मिलेंगे ट्रंप

ट्रंप ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में आठ अरब और मुस्लिम नेताओं से मुलाकात की, लेकिन इस बैठक के बाद कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ट्रंप ने बाद में कहा कि इजराइल को छोड़कर सभी बड़े देशों के साथ बैठक सफल रही, और कहा कि अगला कदम इजराइली अधिकारियों के साथ बैठक होगी।

टैरिफ विवाद के बीच ढीले पड़ने लगे अमेरिका के तेवर, ट्रंप के अधिकारी बोले– मैं भारत का फैन हूं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है, जो पूरी दुनिया में सबसे अधिक माना जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले से भारत-अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों में तनाव बढ़ गया है। हालांकि, अब अमेरिका का रुख नरम होता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने हाल ही में कहा कि वाशिंगटन भारत के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। उनका यह बयान उस समय आया है जब ट्रंप ने भारत को रूस से तेल खरीदने से रोकने की बात कही थी।

भारत के साथ उज्ज्वल भविष्य देखता है अमेरिका

न्यूयॉर्क फॉरेन प्रेस सेंटर में समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में राइट ने कहा कि अमेरिका का उद्देश्य भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाना नहीं है, बल्कि उसका लक्ष्य यूक्रेन में रूस की सैन्य कार्रवाई को समाप्त करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका भारत के साथ उज्ज्वल भविष्य देखता है और यूक्रेन संकट पर अधिक समन्वय चाहता है।

राइट ने कहा कि भारत रूस से तेल इसलिए खरीद रहा है क्योंकि वह सस्ता है, लेकिन दुनिया में कई अन्य तेल निर्यातक देश मौजूद हैं। उन्होंने कहा, *हम चाहते हैं कि भारत हमारे साथ मिलकर तेल खरीदे। आप दुनिया के किसी भी देश से तेल खरीद सकते हैं, बस रूसी तेल नहीं। यही हमारा रुख है।

भारत एक खास ऊर्जा पार्टनर

अमेरिकी ऊर्जा सचिव ने आगे कहा कि अमेरिका भारत को एक खास ऊर्जा साझेदार मानता है। उन्होंने दावा किया कि भारत, रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के अमेरिकी लक्ष्य से सहमत है। राइट ने कहा, *मैं भारत का बड़ा प्रशंसक हूं। हम भारत से प्यार करते हैं और उसके साथ अधिक ऊर्जा व्यापार और पारस्परिक आदान-प्रदान की आशा रखते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया था कि वह रूस से रियायती कच्चा तेल खरीदकर अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन पर रूसी हमलों को बढ़ावा दे रहा है।

यूएन में तीन घटनाएं : ट्रंप ने 'साजिश' का लगाया आरोप, सीक्रेट सर्विस से जांच की मांग

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की यात्रा के दौरान उनके खिलाफ तीन बहुत ही भयावह घटनाएं हुईं। उन्होंने कहा कि सीक्रेट सर्विस इसकी जांच करेगी। ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र में विश्व नेताओं को संबोधित किया। उन्होंने संस्था पर हमला बोला कि वह अपनी क्षमता को बर्बाद कर रही है। उन्होंने यूरोपीय सहयोगियों की रूस-यूक्रेन संघर्ष को संभालने की आलोचना की। साथ ही, उन पर आव्रजन नीतियों को अपनाने का आरोप लगाया, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे उनके देशों को नर्क की ओर ले जा रही हैं।

बुधवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा कि उनकी यात्रा के दौरान हुई असामान्य दुर्घटनाएं महज संयोग नहीं थीं। वह एक बड़ी साजिश का हिस्सा थीं।

कश्मीर मुद्दे पर किसी भी तरह की मध्यस्थता नहीं यूएस ने पाकिस्तान को दिया झटका

न्यूयॉर्क, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच जल्द ही मुलाकात होने की संभावना जताई जा रही है। इस बीच अमेरिका ने साफ किया है कि वह कश्मीर मुद्दे पर किसी भी तरह की मध्यस्थता नहीं करेगा। इस रुख से पाकिस्तान को करारा झटका लगा है।

एजेंसी के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि मोदी और ट्रंप के बीच सकारात्मक रिश्तों को देखते हुए यह बैठक लगभग तय मानी जा रही है। हालांकि, समय और स्थान को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। अधिकारी ने कहा, *मुझे यकीन है कि आप दोनों नेताओं की मुलाक़ात होगी। उनके बीच बेहद सकारात्मक संबंध हैं। क्वाड शिखर सम्मेलन की योजना पर काम चल रहा है। अगर इस साल नहीं तो अगले साल बैठक होगी।*

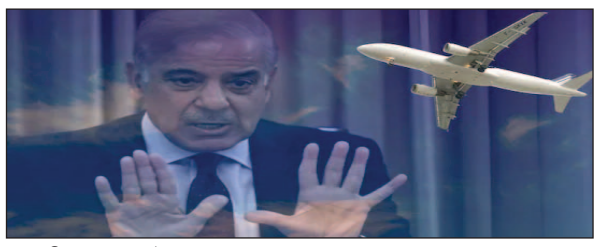

कश्मीर पर अमेरिका का रुख

अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अमेरिका का भारत-पाकिस्तान को साथ बैठाने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, *यह भारत और पाकिस्तान के बीच का द्विपक्षीय मामला है। राष्ट्रपति तभी मदद करेंगे जब दोनों देश इसकी मांग करें। फिलहाल उनके सामने पहले से ही कई संकट मौजूद हैं।

मजबूत रिश्ते, कुछ तनाव भी

हाल ही में ट्रंप ने पीएम मोदी को 75वें जन्मदिन पर फोन कर बधाई दी थी और उनकी सराहना करते हुए उन्हें अच्छा दोस्त बताया था। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए भारत के प्रयासों की भी उन्होंने प्रशंसा की। इसी दौरान, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात में प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। फरवरी में मोदी और ट्रंप के बीच व्यापार, ऊर्जा और रक्षा सहयोग को लेकर वार्ता भी हो चुकी है।

लद्दाख हिंसा पर विपक्ष का केंद्र सरकार पर निशाना, केजरीवाल बोले- सत्ता के नशे में चूर है भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसा के बाद लद्दाख में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। राज्य के लोग केंद्र शासित प्रदेश को छठी अनुसूची में शामिल करने और राज्य का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश और आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला है।

जयराम रमेश ने कहा कि लद्दाख के लोगों की पीड़ा और गुस्सा सरकार की अंतरात्मा को झकझोरना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि लद्दाख के लोगों की जमीन और रोजगार के अधिकार खतरे में हैं। स्थानीय प्रशासन का पूरा नियंत्रण उपराज्यपाल और नौकरशाही के हाथों में है। उन्होंने कहा, 'छह साल पहले जब लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था, तब लोगों की बड़ी उम्मीदें थीं। लेकिन आज निराशा और असंतोष है। चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर एकतरफा बदलाव किए हैं और प्रधानमंत्री ने 19 जून 2020 को चीन को क्लीन चिट दी थी, जिससे स्थिति और अस्थिर हुई है।'

एक्स पर केजरीवाल ने किया पोस्ट

केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत ने अंग्रेजों से आजादी इसलिए नहीं ली थी कि जनता अंग्रेजों की जगह भाजपा की गुलाम बन जाए। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों ने लोकतंत्र के लिए बलिदान दिया था, लेकिन आज भाजपा राज्यों को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर जनता से उनके अधिकार छीन रही है। अगर आज लद्दाख की आवाज को अनसुना किया गया, तो कल यह पूरे देश की आवाज बन जाएगी। इधर, लेह में धारा 163 के तहत पाबंदियां जारी हैं। पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने, रैली और मार्च पर बैन है। किसी भी कार्यक्रम के लिए पहले से लिखित अनुमति लेना जरूरी है।

सरकार उनकी मांगें जल्द से जल्द पूरी करे- रमेश

उन्होंने यह भी कहा कि लद्दाख सांस्कृतिक, आर्थिक, पारिस्थितिक और रणनीतिक दृष्टि से बेहद अहम है और यहां के लोग हमेशा से गर्वित भारतीय रहे हैं। सरकार को सिर्फ बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनकी मांगें पूरी तरह और जल्द से जल्द पूरी करनी चाहिए।

सत्ता के नशे में चूर भाजपा सरकार- अरविंद केजरीवाल

वहीं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा सरकार जनता की आवाज को दबा रही है और लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर कर रही है। लद्दाख के लोग किसी विशेषाधिकार की नहीं बल्कि सिर्फ अपने संवैधानिक अधिकार- वोट देने और अपनी सरकार चुनने की मांग कर रहे हैं, लेकिन भाजपा बार-बार वादे करने के बावजूद उनका हक नहीं दे रही।

राज्यपाल का वामपंथी सरकार पर हमला, बोले– गुरुपूजा, भारत माता के आलोचना करने वाले सबरीमाला के नकली भक्त

कोझिकोड (केरल)। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने राज्य की वामपंथी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो लोग गुरूपूजा और भारत माता की आलोचना करते हैं, वे केवल सबरीमाला के फर्जी भक्त हैं। राज्यपाल ने कहा कि अगर इन लोगों के मन में सच्ची श्रद्धा, विश्वास और भावना होती, तो खुलकर सामने आते और साफ-साफ बोलते।

उन्होंने पूछा, ये सब विरोध क्यों किया जा रहा है? क्या केवल राजनीतिक लाभ उठाने के लिए? 'भारत माता' और गुरूपूजा जैसी बातें किसी के लिए राजनीतिक हथियार नहीं हो सकतीं। यह हमारे खून, विरा और हर चीज में है। हम राजनीति से प्रेरित नहीं हैं।

नवरात्रि से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि गुरूपूजा, भारत माता जैसी बातें भारतीय संस्कृति का हिस्सा हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी बताया कि जब स्कूलों में गुरूपूजा (यानी छात्रों द्वारा शिक्षकों के पैर धोना) का विरोध हुआ, तो कुछ शिक्षकों और प्रिंसिपल ने उनसे संपर्क किया।

राज्यपाल ने कहा, मुझे हैरानी हुई कि एक ऐसे राज्य में ऐसा कैसे हो सकता है, जो सांस्कृतिक रूप से सबसे समृद्ध है? केरल की संस्कृति बहुत उच्च स्तर की है, लेकिन यहां ये सब हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में एक पत्रकार के साथ बातचीत में उन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्हें यह सोच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से मिली है। राज्यपाल ने कहा, मैंने पत्रकार से कहा कि अगर आरएसएस राष्ट्र निर्माण और समाज को संगठित करने की बात करता है, तो इसमें गलत क्या है? राज्यपाल ने कहा कि जो कुछ देश में हो रहा है, वो देश के हित में है और हर घर तक ये संदेश पहुंचाया जाना चाहिए।

धनुष की फिल्म इडली कढ़ाई का ट्रेलर रिलीज, लोगों को पसंद आया स्टार का नया अंदाज, खूब हो रही तारीफ

धनुष स्टारर इडली कढ़ाई का ट्रेलर जारी किया गया था, जो एक शानदार कहानी की झलक पेश करता है। कहानी में परिवार, परंपरा और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की भी झलकियां नजर आती हैं। कहानी धनुष द्वारा अभिनीत मुरुगन के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके पिता स्थानीय लोगों द्वारा प्रिय इडली शैक चलाते हैं। जबकि मुरुगन होटल प्रबंधन में कदम रखता है और अश्विन, जिसे अरुण विजय द्वारा चित्रित किया गया है के अधीन काम करके सफलता प्राप्त करता है। घर पर तनाव बढ़ जाता है क्योंकि उनके पिता को पारिवारिक व्यवसाय चलाने के पारंपरिक तरीकों और हाथों की देखभाल की याद आती है। जब मुरुगन को विश्वासघात का सामना करना पड़ता है और दांव बढ़ जाता है, तो उसे न केवल अपने पिता की इडली की दुकान की रक्षा के लिए लड़ना होगा, बल्कि विरासत और मूल्यों का प्रतिनिधित्व करना होगा। फिल्म में निथ्या मेनन और शालिनी पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

दो मिनट के ट्रेलर की शुरुआत धनुष के किरदार मुरुगन से होती है, जो अपने पिता से इडली बनाने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए एक इडली ग्राइंडर खरीदने का अनुरोध करता है। जहां एक ओर धनुष कुशलता चाहता है, वहीं उसके पिता, जो इडली बनाने के पारंपरिक तरीकों में गहराई से डूबे हुए हैं, इस बात को लेकर संशय में हैं कि क्या स्वाद में कोई बदलाव आएगा। परिवार की इडली की दुकान, या इडली कढ़ाई, स्थानीय निवासियों के बीच एक प्रिय स्थान के रूप में दिखाई गई है। ट्रेलर से पता चलता है कि मुरुगन पारिवारिक व्यवसाय छोड़कर होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई करने के लिए अश्विन (अरुण विजय) के अधीन काम कर रहा है। हालांकि मुरुगन की भागीदारी से मुनाफा बढ़ता है, लेकिन उसकी अनुपस्थिति उसके पिता के साथ तनाव पैदा करती है। स्थिति तब और बिगड़ जाती है जब अश्विन उसे धोखा देता है, जिससे मुरुगन एक ऐसे संघर्ष में फंस जाता है जो न केवल परिवार के इडली व्यवसाय के लिए बल्कि उससे भी कहीं ज्यादा खतरा बन जाता है।

इडली कढ़ाई का लेखन, निर्देशन और सह-निर्माण धनुष ने वंडरबार फ़िल्म्स के तहत किया है, और डान पिक्चर्स भी निर्माता हैं। धनुष मुख्य भूमिका में हैं, जबकि सत्यराज, आर. पार्थिबन, समुथिरकानी और राजकिरण सहायक भूमिकाओं में हैं। जीवी प्रकाश ने फिल्म का संगीत तैयार किया है। यह फिल्म 1 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और तेलुगु में इडली कोट्टू नाम से भी उपलब्ध होगी।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी से परफेक्ट गाना हुआ रिलीज, वरुण–जान्हवी–गुरु रंधावा ने मचाया धमाल

वरुण धवन और जान्हवी कपूर अपनी नई फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। आज फिल्म का एक नया गाना परफेक्ट रिलीज किया गया है। इस गाने में पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा भी नजर आ रहे हैं। इस गाने को गुरु रंधावा ने गाया है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का एक नया गाना परफेक्ट आज रिलीज कर दिया गया है। इसका संगीत और बोल गुरु, गिल मछराई और रोनी अजंली ने बनाए हैं। दिलमान ने इसे प्रोड्यूस किया है। परफेक्ट गाने में जान्हवी का हाट लुक और वरुण का धमाकेदार डांस फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी एक रोमांटिक कामेडी फिल्म है। इसका लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। इस फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर के अलावा रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और मनीष पाल ने भी अहम भूमिका निभाई है। यह फिल्म 2 अक्तूबर 2025 को दशहरा के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

साड़ी पहनकर रुबीना दिलैक ने फैंस से पूछा मजेदार सवाल, बोलीं- क्या मुझे और साड़ी पहननी चाहिए?

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री रुबीना दिलैक इन दिनों अपने नए रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा को लेकर सुर्खियों में हैं। अपनी शानदार अदाकारी और स्टाइलिश अंदाज के लिए जानी जाने वाली रुबीना ने हाल ही में फैंस से पूछा है कि क्या उन्हें और ज्यादा साड़ी पहननी चाहिए।

रुबीना ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह गहरे नीले रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। इस लुक में उन्होंने मंगलसूत्र, मांग में सिंदूर और हाथों में चूड़ियां पहनीं, जो उनकी पारंपरिक सुंदरता को निखार रहा है। उनके खुले बाल उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं।

रुबीना ने इन तस्वीरों के साथ फैंस से एक मजेदार सवाल पूछा, क्या मुझे साड़ी ज्यादा बार पहननी चाहिए? उनकी पहली तस्वीर में वह स्टाइलिश अंदाज में पोज देती दिख रही हैं, तो दूसरी तस्वीर में वह कमर पर हाथ रखकर आत्मविश्वास भरा पोज दे रही हैं।

इन तस्वीरों को देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। एक फैन ने कमेंट किया, ब्यूटीफुल, तो किसी ने उन्हें बास लेडी कहकर संबोधित किया।

एक अन्य यूजर ने लिखा, प्रिटी लुक, रुबीना! एक प्रशंसक ने उनके खुले स्ट्रेट बालों की तारीफ करते हुए लिखा, आपके बाल इस लुक में कमाल के लग रहे हैं।

रुबीना दिलैक ने मिस शिमला समेत कई ब्यूटी कान्टेस्ट में अवाड्र्स अपने नाम किए हैं। एक्ट्रेस बनने से पहले वह आईएएस अधिकारी बनना चाहती थीं, जिसके लिए वह चंडीगढ़ में तैयारी भी करने गई थीं, लेकिन किस्मत में कुछ और ही लिखा था।

एक बार उन्होंने अपनी फ्रेंड के कहने पर टीवी सीरियल छोटी बहू के लिए आडिशन दिया और सेलेक्ट भी हो गईं। यहां से उन्होंने एक्टिंग में जाने का फैसला किया और सीरियल में राधिका का रोल निभाया। इसके बाद उन्होंने सास बिना ससुराल, पुनर्विवाहः एक नई उम्मीद, जीनी और जूजू, और शक्ति जैसे हिट शो दिए हैं। उन्होंने राजपाल यादव स्टारर फिल्म अर्ध से बालीवुड में डेब्यू किया। वह बिग बास 16 की विनर भी रही हैं।

थामा का नया पोस्टर जारी, आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना दिखे साथ

मैडाक के हारर यूनिवर्स की अगली फिल्म थामा को लेकर लोगों के बीच एक अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शक इस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म के हीरो आयुष्मान खुराना हैं, वहीं इसमें उनकी जोड़ी पहली बार अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है। अब थामा का नया पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें आयुष्मान और रश्मिका साथ दिख रहे हैं।

निर्माताओं ने बताया कि 26 सितंबर को शाम 5 बजे मुंबई के बांद्रा फोर्ट में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें थामा को लेकर अपडेट दिया जाएगा। उन्होंने लिखा, स्त्री आ रही है और अपने साथ एक बड़ा थम्मका ला रही है। थामा में परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके निर्देशन की कमान आदित्य सरपोतदार ने संभाली है थामा को इस साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

थामा में परेश रावल और नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके निर्देशन की कमान आदित्य सरपोतदार ने संभाली है थामा को इस साल दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

फैंस पोस्टर को देखकर काफी एक्साइटेड हैं और सवाल कर रहे हैं कि क्या ट्रेलर आने वाला है, जबकि कुछ यूजर्स का कहना है परसों क्या है अभी बता दो। एक यूजर ने लिखा- लगता है नवरात्रि में मजा आने वाला है। एक दूसरे यूजर ने लिखा- ट्रेलर के लिए और कितना इंतजार कराओगे। थामा फिल्म की कहानी एक वैम्पायर लव स्टोरी से जुड़ी हैं। फिल्म में आपको हालीवुड का फील भी मिलेगा लेकिन बिल्कुल देसी अंदाज में। फिल्म दीपावली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जल्द ही फिल्म की प्री-बुकिंग भी शुरू कर दी जाएगी। फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी नजर आएंगे।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com